● वर्ष : 17 ● अंक : 145 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 16 मार्च 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

भाजपा की सरकार में एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : अमित शाह

एजेंसी, गुवाहाटी

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश के सौजन्य से गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित 'युवा शक्ति समारोह' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए राज्य में घुसपैठियों का संरक्षण करने का आरोप लगाया, साथ ही राज्य के सामूहिक विकास के लिए भाजपा को वोट देने का आह्वान किया। रविवार को राज्य के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को गृह मंत्री ने संबोधित करते हुए उपरोक्त आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा और प्रदेश भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेता, मंत्री, सांसद एवं विधायक भी कार्यक्रम में मौजूद थे। भाजयुमो के इस कार्यक्रम के जरिए आज राज्य के प्रत्येक जिले के

भाजयुमो के आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री ने विकास, नौकरी और शांति की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने के लिए भाजपा को वोट देने का किया आह्वान

युवा मतदाताओं ने भाजपा की चुनावी रणभेरी बजाई। असम के विकास और उत्थान की यात्रा में युवा शक्ति के संकल्प को दृढ़ करने के लिए यह युवा शक्ति समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि असम की युवा शक्ति के इस महासमागम ने राज्य में भाजपा के जनसमर्थन की मजबूत तस्वीर पेश की है। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने उन्हें फोन करके युवाओं के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की कोई भी राजनीतिक पार्टी इस तरह का विशाल युवा सम्मेलन आयोजित नहीं कर सकी है। उन्होंने असम के युवाओं के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। अमित शाह ने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम में विकास की प्रक्रिया जारी है। शाह ने दावा किया कि असम सरकार ने किसी भी प्रकार का भेदभाव किए बिना लगभग 1 लाख 65 हजार नौकरियां प्रदान की हैं, जो राज्य के इतिहास में एक उल्लेखनीय कदम है।

समारोह में बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस दल की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में चाय बागान के श्रमिकों की मजदूरी 94 रुपये थी। भाजपा के दिनों में हिमंत बिस्व सरमा सरकार ने इसे 280 रुपये तक बढ़ा दिया। कांग्रेस अपने लोगों के बारे में सोचती है, भाजपा असम के बारे में सोचती है। गृह मंत्री के अनुसार कांग्रेस के शासनकाल में असम की भाषा और संस्कृति (जाति, माटी, भेटी) का सम्मान नहीं किया जाता था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक वीर लचित बरफूकन का गौरव विश्व के सामने उज्जवल रूप से प्रस्तुत किया गया है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार के समय लगभग 10,800 हथियारबंद लोगों ने आत्मसमर्पण किया है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में शांति और अनुशासन मजबूत हुआ है। उन्होंने दावा किया कि घुसपैठियों के कब्जे वाली बड़ी मात्रा में भूमि को मुक्त कराया गया है और आने वाले समय में यह अभियान जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य में अवैध घुसपैठ को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि भाजपा की अगली सरकार में एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा। साथ ही उन्होंने कांग्रेस को घुसपैठियों की सरंक्षक करार दिया। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल गांधी कुछ नहीं कह सकते, भागते फिरते हैं और जहां भारत की ताकत देखने के लिए दुनिया से लोग आते हैं, वहां राहुल गांधी विरोध करते हैं। भारत के एआई शिखर सम्मेलन की पूरी दुनिया में प्रशंसा की गई, उस सम्मेलन का कांग्रेस ने विरोध किया। मोदी और भाजपा का विरोध करते-करते राहुल गांधी भारत का विरोध करने लगे हैं। राहुल गांधी के इस कार्य की निंदा अमित शाह ने की। उन्होंने कहा कि भाजपा का विरोध करते-करते राहुल गांधी देश की निंदा करने लगे हैं। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने असम की जनता से एक बार फिर भाजपा सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि यह सरकार विकास और पारदर्शिता के वादे पर अटल रहेगी।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

सीआईए का रेड अलर्ट, डोनाल्ड ट्रंप को बंकर में?

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने अमेरिका में 'क्रेडिबल थ्रेट' का अलर्ट जारी किया है। उसके बाद से अमेरिका में और घबराहट देखी जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस के अंडर ग्राउंड के बंकर में सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से वह अपना ज्यादा समय बंकर में बिता रहे हैं। व्हाइट हाउस में बना बंकर सुरक्षा के लिहाज से बेहद अत्याधुनिक है। इसे राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए आपातकालीन परिस्थितियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इस बंकर की लंबाई 761 फीट, चौड़ाई 10 फीट और ऊंचाई 7 फीट है। यहां हवा, पानी, भोजन और संचार जैसी सभी अत्याधिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ईरान ने हाल ही में मध्य पूर्व देशों के अमेरिकी ठिकानों और इजरायल के ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से घातक हमले किए हैं।

इन हमलों को अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा एजेंसियों ने गंभीरता से लिया है। ईरान के पास इन दिनों चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया के भी हथियार होने की संभावना देखी जा रही है। ईरान के पास बड़ी संख्या में अत्याधुनिक हथियार हैं। हथियारों के संबंध में जानकारी अमेरिका और इजरायल को तब लग पा रही है, जब ईरान उनका उपयोग कर रहा है। जिससे अमेरिका में राष्ट्रपति और महत्वपूर्ण लोगों की सुरक्षा का खतरा, गंभीर चेतावनी बनकर सामने आया है। हालांकि ईरान के पास सीधे अमेरिका तक मार करने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें या फाइटर जेट्स उपलब्ध नहीं हैं। फिर भी अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों को ड्रोन हमले, क्रूज मिसाइल, स्लीपर सेल तथा ईरान को जिस तरह के हथियारों से युद्ध में सहायता मिल रही है, उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर खतरा बढ़ गया है।

यही वजह है, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने तत्काल रेड अलर्ट जारी करके सुरक्षा इंतजाम में भारी बदलाव किए हैं। इसमें सर्वोपरि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा व्यवस्था है। इसलिए ट्रम्प को सुरक्षा कर्मियों ने बंकर में रहने की सलाह दी है। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया है, अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी और सैन्य क्षमता कितनी भी अत्याधुनिक और बड़ी क्यों न हो, सुरक्षा के मामलों में अमेरिका हमेशा सतर्क रहता है। ईरान के राष्ट्रपति आयतुल्लाह खामनेई की हत्या के बाद ट्रम्प के लिए खतरा और बढ़ गया है। ईरान की ओर से लगातार धमकी मिल रही है। ईरान बातचीत करने के लिए कहीं से भी तैयार नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति को सुरक्षित रखने के लिए बंकर का उपयोग किया जा रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया के सात देशों में सीबीएसई की कक्षा 12 की परीक्षाएं रद्द

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात को देखते हुए कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने का निर्णय लिया है। बोर्ड ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। सीबीएसई ने इस संबंध में शनिवार को एक परिपत्र जारी किया है, जिसके अनुसार बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में संबद्ध स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए 16 मार्च से 10 अप्रैल तक निर्धारित कक्षा 12वीं की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। बोर्ड के अनुसार इन देशों में परीक्षाओं के आयोजन की संभावना की समीक्षा संबंधित स्कूलों और स्थानीय अधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर की गई। समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया कि मौजूदा परिस्थितियों में परीक्षाओं का आयोजन संभव नहीं है। सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि 1 मार्च, 3 मार्च, 5 मार्च, 7 मार्च और 9 मार्च 2026 के परिपत्रों के माध्यम से पहले जिन परीक्षाओं को स्थगित किया गया था, वे भी अब रद्द मानी जाएंगी। बोर्ड ने कहा है कि इन देशों के कक्षा 12 के विद्यार्थियों के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया और तरीका अलग से सूचित किया जाएगा।

मायावती ने जयंती पर कांशीराम को किया याद, सपा के पीडीए को बताया छलावा

एजेंसी, लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' के हित कल्याण व उत्थान के लिए असली पार्टी है। जबकि सपा व अन्य विरोधी पार्टियों की कथनी और करनी में भारी अंतर है। ऐसी पार्टियों के छलवा और दिखावा से सावधानी बरतना जरूरी है। बसपा प्रमुख मायावती रविवार को माल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैम्प कार्यालय में कांशीराम के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देने के बाद वरिष्ठ नेताओं को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में से खासकर सपा व अब इनका पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है। इनको इन वर्गों व इनके महापुरुषों की याद केवल चुनाव के समय में ही आती है। सरकार बन जाने के बाद वह भी दूसरी पार्टियों की इन वर्गों का तिरस्कार कर देती है।

राहुल गांधी ने कांशीराम को भारत रत्न देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज के नेता कांशीराम की जयंती पर उनको मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आधिकारिक पत्र लिखकर पत्र लिखकर कहा कि कांशीराम ने भारतीय राजनीति की प्रकृति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने आंदोलनों के माध्यम से बहुजनों और गरीबों के बीच राजनीतिक जागरूकता बढ़ाई। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता, गरिमा और भागीदारी का अधिकार देता है। कांशीराम ने समाज के सबसे निचले तबके तक इन अधिकारों को सार्थक बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इससे भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई और राजनीतिक व्यवस्था अधिक प्रतिनिधिक

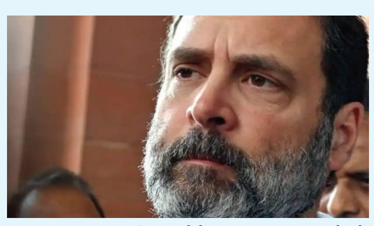

तथा न्यायपूर्ण बनी। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करते रहे हैं। पत्र में राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम ने लोगों को यह याद दिलाया कि उनका वोट, उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है और यह देश सभी का समान रूप से है। उनके प्रयासों के कारण उन लोगों ने राजनीति को न्याय और समानता हासिल करने का माध्यम माना, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था।

किसी अन्य जज को केस ट्रांसफर करने संबंधी केजरीवाल की याचिका खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से बरी किए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिकाओं को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट से दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर करने की दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मांग को नामंजूर कर दिया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच 16 मार्च को सुनवाई करने वाली है। चीफ जस्टिस ने कहा है कि वर्तमान में जो रोस्टर है उसी के मुताबिक ये मामला जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच के समक्ष लिस्ट किया गया है। अगर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा खुद सुनवाई से हटती हैं तो इस पर

विचार किया जाएगा लेकिन प्रशासनिक स्तर पर इस मामले को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच से दूसरे बेंच के पास ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। केजरीवाल ने 11 मार्च को चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर मांग की थी कि सीबीआई और ईडी की याचिकाओं को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट से दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए। केजरीवाल ने आशंका जताई थी कि अगर इस मामले पर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच सुनवाई करती है तो उनके मामले की निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं है। केजरीवाल ने पत्र में कहा था कि 9 मार्च को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने बिना उनका पक्ष सुने आदेश पारित कर दिया और ट्रायल कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने की कोई वजह नहीं बताई गयी थी। पत्र में कहा गया था कि ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोप मुक्त करने के आदेश पर रोक असाधारण परिस्थितियों में ही लिया जाता है लेकिन 9 मार्च के आदेश में ऐसा कुछ नहीं बताया गया है कि वे असाधारण परिस्थितियां क्या थीं। केजरीवाल ने कहा था कि सीबीआई की ओर से दायर याचिका में ईडी के मामले में भी आदेश पारित कर दिया गया जबकि उसमें ईडी पक्षकार भी नहीं था।

दो दिवसीय यात्रा पर बेल्जियम जाएंगे विदेशमंत्री जयशंकर, यूरोपीय देशों के अपने समकक्षों के साथ करेंगे वार्ता

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर 15-16 मार्च को बेल्जियम के ब्रसेल्स की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस यात्रा के दौरान वे विदेश मामलों की परिषद की बैठक में ईयू के 27 सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा के दौरान विदेशमंत्री यूरोपीय संघ के नेतृत्व के साथ-साथ बेल्जियम और ईयू के अन्य सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ भी

बैठकें करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, 16वें ऐतिहासिक भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद हो रही विदेशमंत्री की यह यात्रा, यूरोपीय संघ के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी को और अधिक गहरा करने की उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया, घुसपैठ विफल

एजेंसी, श्रीनगर

सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, "घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। सेना ने कहा

कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया। एक एके राइफल, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध सामग्री बरामद की गई है।

तेलंगाना में हाई-प्रोफाइल ड्रग्स पार्टी का खुलासा, टीडीपी सांसद सहित 10 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

- **सांसद समेत 6 लोग पॉजिटिव, फायरिंग से बढ़ा विवाद**

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद क्षेत्र में स्थित एक फार्महाउस में कथित तौर पर आयोजित ड्रग्स पार्टी का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बड़ा विवाद बन गया है। इस पार्टी में उद्योगपतियों, रियल एस्टेट कारोबारियों और राजनीतिक नेताओं की मौजूदगी सामने आने के बाद मामला और भी सनसनीखेज हो गया है। पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जबकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली लोगों

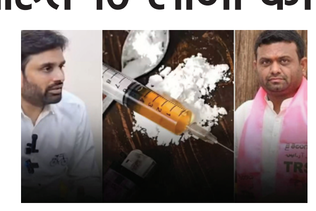

को बचाने के लिए राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि मोइनाबाद के अजीजनगर स्थित एक फार्महाउस में ड्रग्स के साथ पार्टी चल रही है। सूचना मिलते ही 'ड्रग लॉ एनफोर्समेंट के लिए एलीट एक्शन ग्रुप' (ईगल) की पांच सदस्यीय टीम ने शनिवार रात करीब 9:30 बजे फार्महाउस पर छापा मारा। हालांकि, छापेमारी के दौरान पुलिस को फार्महाउस के अंदर प्रवेश करने में शुरुआती विरोध का सामना करना पड़ा। बताया गया कि गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और फार्महाउस के मालिक तथा पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने पुलिस टीम को तुरंत अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद स्थिति को देखते हुए पुलिस ने स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) को मौके पर बुलाया, जिसकी मदद से टीम ने फार्महाउस के अंदर प्रवेश किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने फार्महाउस से करीब दो ग्राम कोकीन बरामद की। जांच में यह भी सामने आया कि पार्टी में कुल 11 लोग मौजूद थे, जिनमें से छह लोगों का ड्रग्स टेस्ट पॉजिटिव पाया गया। ईगल टीम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गिरिधर ने रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिन छह लोगों का ड्रग्स टेस्ट पॉजिटिव आया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विश्व शांति पर केंद्र सरकार की नीति का समर्थन किया

एजेंसी, समालखा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच केंद्र सरकार की नीति का समर्थन करते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि संघ विश्व में शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर संघ कोई विशेष टिप्पणी नहीं करना चाहता। संगठन की स्पष्ट धारणा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। संघ चाहता है कि विश्व में चल रहे संघर्ष जल्द समाप्त हों और शांति की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रही है और भारत के हित में निर्णय ले रही है। हरियाणा के समालखा में

आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का समापन रविवार को होने जा रहा है। इस अवसर पर संघ ने अपनी संगठनात्मक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन की घोषणा की है। जमीनी स्तर पर कार्य के विस्तार और संगठन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अब 'प्रांत' इकाइयों के स्थान पर 'संभाग' इकाइयों का गठन किया जाएगा। वर्तमान में देशभर में 46 प्रांत हैं, जिन्हें पुनर्गठित कर लगभग 80 संभाग बनाए जाएंगे। प्रतिनिधि सभा के इतर आयोजित पत्रकार वार्ता में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बताया कि संगठनात्मक ढांचे में यह बदलाव कार्य के विकेंद्रीकरण और विस्तार को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अभी प्रांत स्तर पर प्रचारकों की नियुक्ति होती है, उसी प्रकार अब प्रत्येक संभाग में भी संभाग प्रचारक नियुक्त किए जाएंगे। नई व्यवस्था के अनुसार संघ की संरचना में जिला और विभाग के बाद संभाग इकाई होगी, जबकि उसके ऊपर क्षेत्र तथा अखिल भारतीय स्तर की व्यवस्था पूर्ववत बनी रहेगी।

एनएचएआई ने वार्षिक फास्टैग के दाम 3000 से बढ़ाकर 3075 रुपये किये, 1 अप्रैल से लागू

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण(एनएचएआई) ने आगामी वित्त वर्ष के लिए फास्टैग वार्षिक पास के शुल्क को 3000 रुपये से बढ़ाकर 3075 रुपये कर दिया है। नए रेट 1 अप्रैल से लागू होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह संशोधन राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और वसूली) नियम, 2008 के प्रावधानों के अनुसार किया गया है। देश में निजी वाहन मालिकों के बीच फास्टैग वार्षिक पास को तेजी से अपनाया जा रहा है और वर्तमान में इसके 56 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं। वार्षिक पास को 15 अगस्त 2025 को शुरू किया गया था। प्राधिकरण के अनुसार इसे देशभर के राजमार्ग उपयोगकर्ताओं से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। संशोधित शुल्क राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय द्रुतमार्गों के लगभग 1150 टोल प्लाजा पर लागू होगा। यह सुविधा केवल वैध फास्टैग वाले गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए उपलब्ध है। फास्टैग वार्षिक पास एक बार शुल्क भुगतान करने पर एक वर्ष या 200 टोल प्लाजा पार करने तक मान्य रहता है। इससे बार-बार फास्टैग रिचार्ज कराने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

दिल्ली मेट्रो में 2025 में हुई 235.8 करोड़ यात्राएं

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन मानी जाने वाली दिल्ली मेट्रो ने वर्ष 2025 में यात्री संख्या का नया रिकॉर्ड बनाया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के अनुसार पूरे वर्ष में करीब 235.8 करोड़ यात्री यात्राएं दर्ज की गईं, जो वर्ष 2024 की तुलना में अधिक हैं। औसतन 2025 में प्रतिदिन करीब 64.60 लाख यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया। हाल ही में पिंक लाइन और मैजेंटा लाइन के दो नए सेक्शन के उद्घाटन के साथ दिल्ली मेट्रो भारत की सबसे बड़ी परिचालित मेट्रो प्रणाली बनी हुई है। देश के 26 शहरों में अब कुल 1143 किलोमीटर लंबा मेट्रो नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिसमें प्रतिदिन करीब 1.15 करोड़ यात्राएं होती हैं। इनमें से 55 प्रतिशत से अधिक यात्राएं अकेले दिल्ली मेट्रो नेटवर्क पर होती हैं। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली मेट्रो ने राजधानी में शहरी परिवहन को नई दिशा दी है। इससे यात्रा समय कम हुआ है, सड़क जाम में कमी आई है और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिला है। दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई लगभग 416 किलोमीटर है, जिसमें 303 स्टेशन शामिल हैं। इसमें नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो की करीब 29 किलोमीटर लंबी लाइन और गुरुग्राम की रैपिड मेट्रो की करीब 13 किलोमीटर लंबी लाइन भी शामिल है, जो दिल्ली को एनसीआर के प्रमुख शहरों से जोड़ती हैं। डीएमआरसी के मुताबिक दिल्ली मेट्रो में फिलहाल 343 ट्रेनें (2368 कोच) संचालित हो रही हैं। प्रतिदिन करीब 4508 ट्रेन ट्रिप्स के जरिए लगभग 1.40 लाख ट्रेन किलोमीटर की दूरी तय की जाती है। मेट्रो की समयबद्धता भी करीब 99.9 प्रतिशत बनी हुई है, जो इसे दुनिया की सबसे भरोसेमंद मेट्रो प्रणालियों में शामिल करती है। पिछले दो वर्षों में मेट्रो यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। वर्ष 2024 में कुल 223.5 करोड़ यात्राएं दर्ज की गई थीं, जबकि 2025 में यह बढ़कर 235.8 करोड़ हो गई। इसी दौरान कई बार दैनिक यात्री संख्या का रिकॉर्ड भी टूटा। 18 नवंबर 2024 को 78.67 लाख यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया था, जबकि 8 अगस्त 2025 को एक दिन में 81.87 लाख यात्रियों के साथ नया रिकॉर्ड बना। दिल्ली मेट्रो देश के सबसे बड़े ड्राइवरलेस मेट्रो नेटवर्क का संचालन भी कर रही है। फिलहाल करीब 121 किलोमीटर लंबाई पर ड्राइवरलेस ट्रेनें चल रही हैं, जिनमें पिंक लाइन और मैजेंटा लाइन शामिल हैं। इन लाइनों पर कुल 80 ड्राइवरलेस ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। डीएमआरसी के अनुसार फेज-4 के तहत कई नए कॉरिडोरों का निर्माण भी जारी है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 52 नई ट्रेनें खरीदी जा रही हैं, जिनमें से 18 ट्रेनें पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं।

नेचर बाजार में भीषण आग, 40 से अधिक दुकानें जलकर राख

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में स्थित नेचर बाजार में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने बाजार की कई छोटी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग के मुताबिक करीब 40 से 50 छोटी दुकानें जलकर खाक हो गईं। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली दमकल विभाग के जनसंपर्क अधिकारी राजिंदर अटवाल के अनुसार रविवार सुबह करीब 7:37 बजे कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली। घटना स्थल अंबेडकर कॉलोनी स्थित नेचर बाजार, दिल्ली हाट अंधेरिया मोड़ के पास, छतरपुर मेट्रो स्टेशन के नजदीक बताया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शुरुआती तौर पर दो वाटर टेंडर, दो वाटर बाउजर, एक ब्रीदिंग फायर टेंडर और एक क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल मौके पर रवाना किए। मौके पर पहुंचकर दमकल अधिकारियों ने आग की गंभीरता को देखते हुए सुबह 8 बजे "मेक-4" कॉल जारी कर दी, जिसके बाद अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को भी घटनास्थल पर भेजा गया। बाद में तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारियों के अनुसार आग बाजार की करीब 40 छोटी दुकानों में लगी थी, जिससे उनमें रखा सामान पूरी तरह जल गया और दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय बाजार में भीड़ कम होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के बाद इलाके में काफी देर तक धुएं का गुबार छाया रहा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। दमकल विभाग का कहना है कि कूलिंग ऑपरेशन पूरा होने के बाद आग के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

पद्म पुरस्कार 2027 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शुमार 'पद्म पुरस्कार 2027' के लिए नामांकन और सिफारिशों का सिलसिला रविवार से शुरू हो गया। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर घोषित होने वाले इन पुरस्कारों के लिए नागरिकों से अपनी प्रविष्टियां भेजने का आह्वान किया है। गृह मंत्रालय के अनुसार पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशें केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। सन् 1954 में स्थापित ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाते हैं। यह पुरस्कार 'विशिष्ट कार्यों' को मान्यता देने के उद्देश्य से दिया जाता है और कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, जनसंपर्क, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि सभी क्षेत्रों में विशिष्ट एवं असाधारण उपलब्धियों तथा सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत सरकारी कर्मचारी, जिनमें डॉक्टर और वैज्ञानिक शामिल नहीं हैं, पद्म पुरस्कारों के लिए पात्र नहीं हैं। सरकार ने सभी नागरिकों से निःनामांकन सहित नामांकन और सिफारिशें करने का अनुरोध किया है कि महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांगजनों और समाज की निःस्वार्थ सेवा कर रहे प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए, जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में मान्यता के योग्य हैं।

बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले में 10 कार्यकर्ता रिहा, हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा स्पष्टीकरण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने के बाद दिल्ली पुलिस ने अवैध हिरासत में रखे गए सामाजिक कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया है। रविवार को दिल्ली पुलिस ने विशेष सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय को यह सूचना दी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंद्र डूडेजा की विशेष पीठ ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि उन्होंने किस आधार पर और किन परिस्थितियों में इन कार्यकर्ताओं को हिरासत में रखा। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के संबंधित इलाके का सीसीटीवी फुटेज

संरक्षित करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान रविवार को याचिकाकर्ता एहसानुल हक की ओर से वकील कॉलिन गोंजाल्वेस, राजबीर की ओर से वकील शाहरुख आलम और सागरिका राजौरा की ओर से वकील जसदीप ढिल्लो पेश हुए। गोंजाल्वेस ने कहा कि एक कार्यकर्ता के अलावा दिल्ली पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को तब छोड़ा जब ये मामला मीडिया में प्रचारित हो गया। ये काफी दयनीय स्थिति है कि पुलिस पूरे तरीके से नियंत्रण से बाहर हो गयी है। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस के वकील संजीव भंडारी ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के बाद सभी लोगों को छोड़ दिया गया है और ये मामला उतना सामान्य नहीं है जितना याचिकाकर्ताओं की ओर से बताया जा रहा है। उन्होंने याचिकाकर्ताओं की ओर से एफआईआर की प्रति देने की मांग का विरोध करते हुए कहा कि ये काफी गोपनीय है और वे इसे कोर्ट में ही दाखिल करेंगे। राजौरा के वकील ने कहा कि रुद्र नामक एक कार्यकर्ता को अभी भी नहीं छोड़ा गया है। रुद्र को दूसरे स्थान पर ले जाया गया है जहां दूसरे लोग हिरासत में हैं। वहां उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। तब कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि वे रुद्र का पता लगाएं और कल तक बताएं कि वो कहां है। रुद्र के बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर उच्च न्यायालय 16 मार्च को सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान वकील शाहरुख आलम ने कहा कि सादी वर्दी में आए लोगों ने इन कार्यकर्ताओं को उठाया। उन्हें पुलिस थाने नहीं ले जाया गया बल्कि किसी अनजान जगह पर ले जाया गया और उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश भी नहीं किया गया। इन सामाजिक कार्यकर्ता के साथ ये दूसरी घटना है। वकील शाहरुख आलम ने 14 मार्च को चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए इन याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट ने 15 मार्च को सुनवाई करने का आदेश दिया था। तीन याचिकाकर्ताओं ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। सागरिका राजोरा ने अपनी बहन लक्षिता राजोरा को कोर्ट के समक्ष पेश करने की मांग थी। याचिका में दावा किया गया था कि लक्षिता राजोरा 13 मार्च की शाम से दिल्ली यूनिवर्सिटी के पास विजय नगर इलाके से लापता थीं और उसका फोन भी बंद था। याचिका में कहा गया था कि वो विजय नगर इलाके में एक छात्र संगठन के दफ्तर गई। 13 मार्च के शाम आठ बजे के बाद से लक्षिता राजोरा का मोबाइल फोन बंद था। याचिका में कहा गया था कि लक्षिता राजोरा छात्र संगठन के जिस दफ्तर में गई थी उस दफ्तर में मौजूद कई लोगों का शाम आठ बजे से कोई अता-पता नहीं है। याचिका में आशंका जताई गई थी कि लक्षिता राजोरा को दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने उठा लिया है। याचिका में कहा गया था कि करीब आठ महीने पहले लक्षिता राजोरा और उसके साथियों को अवैध रुप से हिरासत में रखा गया था। उस दौरान उन्हें करीब एक हफ्ते तक अवैध रुप से हिरासत में प्रताड़ित किया गया था और एक हफ्ते बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में 'राजस्थान उत्सव 2026' का किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान

दिल्ली राजस्थान उत्सव समारोह

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में आयोजित "राजस्थान उत्सव 2026" का रविवार को भव्य शुभारंभ किया। राष्ट्रीय राजधानी में 15 मार्च से 25 मार्च तक आयोजित होने वाला यह उत्सव राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, लोकसंगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक व्यंजनों की झलक प्रस्तुत करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति, लोक परंपराएं और कला-संस्कृति हमारी गौरवशाली पहचान का आधार हैं। राज्य सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव देश-विदेश के लोगों को राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने शिल्पकारों और राजीविका दीदियों से किया आत्मीय संवाद–श्री शर्मा ने मेले में राजीविका और ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी (रूडा) की तरफ से लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों और राजीविका से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने हस्तशिल्प उत्पादों, पारंपरिक वस्त्रों और कलात्मक कृतियों की सराहना करते हुए उनके अनुभव और कार्य प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने राजीविका दीदियों से स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों, उत्पादों की बिक्री और आजीविका के अवसरों के बारे में चर्चा कर उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर काम कर रही है। ऐसे आयोजन एसएचजी और शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और उनकी आय में वृद्धि करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि राजस्थान की पारंपरिक शिल्पकला और हस्तशिल्प हमारी सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिन्हें संरक्षित और प्रोत्साहित करना हम सब की जिम्मेदारी है।

बीकानेर हाउस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन–बीकानेर हाउस परिसर में श्री शर्मा ने राजस्थानी फोटोग्राफी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया, जिसमें राजस्थान के लोकजीवन, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक परंपराओं को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में अलवर के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर श्री प्रवीण प्रजापत ने पारंपरिक मटका भवाई नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, कलाकार श्री विष्णु दत्त शर्मा द्वारा प्रस्तुत "ब्रज के रंग" के साथ ही मनमोहक मयूर नृत्य तथा फूलों की होली की रंगारंग प्रस्तुति ने आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वज़ीरपुर में मारपीट के मामले में त्वरित पुलिस कार्रवाईः एक घंटे के भीतर चार आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

थाना भारत नगर में मामला दर्ज; शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें कार्यरत वायरल वीडियो में गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी करने वाले पुलिस अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू

घटना (INCIDENT): दिनांक 12.03.2026 को K-Block, JJ Colony, Wazirpur में झगड़े की सूचना संबंधी एक PCR कॉल थाना भारत नगर में प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचा। वहां पहुंचने पर पता चला कि घायल व्यक्तियों को पहले ही Deep Chand Bandhu Hospital में भर्ती कराया जा चुका है। अस्पताल में मोहन लाल (42 वर्ष) और वीरेंद्र (47 वर्ष), दोनों निवासी JJ Colony, Wazirpur, Delhi, घायल अवस्था में भर्ती पाए गए।

मामले के तथ्य (FACTS OF THE CASE): जांच के दौरान पता चला कि माता पार्क (Pathwari Park) के पास आरोपी साहिल @ नटवाला @ लाला, अपने साथियों राघव @ अलीगढ़िया @ रोमियो @ अक्षय कुमार, अभिषेक @ बघीरा और अर्जुन के साथ मिलकर पीड़ितों के साथ मारपीट की। यह झगड़ा बारात के दौरान एक ई-रिक्शा के मामूली रास्ता रुकने (obstruction) को लेकर हुआ था।

पुलिस कार्रवाई (POLICE ACTION): पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और घटना के एक घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घटनास्थल पर क्राइम टीम और FSL टीम को भी बुलाया गया और मौके का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

इस संबंध में थाना भारत नगर में धारा 103(1)/109(1)/3(5) BNS के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। शेष आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमें भी तैनात की गई हैं।

वायरल वीडियो के संबंध में स्पष्टीकरण (CLARIFICATION REGARDING VIRAL VIDEO): सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक पुलिस अधिकारी के कुछ बयान प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें यह आरोप लगाया गया है कि नशीले पदार्थों और अन्य अपराधों में शामिल अपराधियों को जनप्रतिनिधियों के निर्देश पर छोड़ दिया जाता है। स्पष्ट किया जाता है कि Ashok Vihar के ATO इंस्पेक्टर राजीव (जो उस समय नियमित SHO के अवकाश पर होने के कारण SHO Bharat Nagar का कार्य देख रहे थे) द्वारा सार्वजनिक बातचीत के दौरान कुछ गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां की गई थीं, जो तथ्यों पर आधारित नहीं थीं। ये टिप्पणियां दिल्ली पुलिस के आधिकारिक रुख को प्रतिबिंबित नहीं करतीं। इंस्पेक्टर राजीव द्वारा जनता के साथ बातचीत में की गई यह टिप्पणी उनकी व्यक्तिगत क्षमता में की गई थी। दिल्ली पुलिस ने इस गंभीर कदाचार का संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्हें तत्काल प्रभाव से SHO के पद से हटाकर जिला लाइन (District Lines) में स्थानांतरित कर दिया गया है। उनके विरुद्ध नियमों और प्रावधानों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली पुलिस कानून के अनुसार और प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के कार्य करती है। इस प्रकार का आचरण दिल्ली पुलिस के पेशेवर मानकों को प्रतिबिंबित नहीं करता। दिल्ली पुलिस नशीले पदार्थों के विरुद्ध लगातार और कठोर अभियान चलाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा समाज में किसी भी अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता (Zero Tolerance) की नीति अपनाती है।

(अकांक्षा यादव) IPS
उप पुलिस आयुक्त (DCP)
उत्तर-पश्चिम जिला, दिल्ली

'संडेज ऑन साइकिल्स' कार्यक्रम में दिल्लीवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद ने आज फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत नागरिकों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने की दिशा में प्रेरित करने के लिए कनॉट प्लेस में 'संडेज़ ऑन साइकिल्स' फिटनेस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राहगिरी फाउंडेशन तथा इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4सी) के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य नियमित शारीरिक गतिविधि के महत्व को बढ़ावा देना तथा साइक्लिंग को फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने का एक सरल एवं प्रभावी माध्यम के रूप में प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 'संडेज ऑन साइकिल्स' एक बड़ा जन आंदोलन बन सकता है, जो न केवल लोगों को फिट रहने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि शहर को पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी बेहतर बनाएगा। सूद ने यह भी कहा कि पिंक इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत तथा दैनिक जीवन में फिटनेस को शामिल करने के उद्देश्य से केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 17 दिसंबर 2024 को दिल्ली में फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव का शुभारंभ किया था। यह साइक्लिंग अभियान अब एक नियमित जन-अभियान का रूप ले चुका है, जिसके अंतर्गत पूरे देश में 'संडेज ऑन साइकिल्स' का आयोजन किया जा रहा है। अब तक देश भर में 2.5 लाख से अधिक स्थानों पर इसका आयोजन हो चुका है, जिसमें लगभग 27 लाख साइक्लिस्टों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई है। उन्होंने आगे कहा की इस अभियान का उल्लेख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात के 117वें एपिसोड में भी किया गया था। प्रधानमंत्री द्वारा मोटापे के विरुद्ध दिए गए आह्वान के मद्देनजर यह अत्यंत आवश्यक है कि संतुलित शारीरिक गतिविधि को हमारी दैनिक फिटनेस दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। नियमित व्यायाम और खेलकूद के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़े। सूद ने बताया कि यह इस पहल का लगभग 68वां संस्करण है। यह कार्यक्रम केवल आपकी और हमारी व्यक्तिगत फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण संदेश है। यदि दिल्ली में हम पेट्रोल वाहन चलाने की जगह साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा देने में सफल होते हैं, तो इससे न केवल दिल्ली का प्रदूषण कम होगा बल्कि शहर के पर्यावरण को सुधारने में बड़ी मदद भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अधिक से अधिक लोगों को साइकिल के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए की साइकिल चलाने से शारीरिक व्यायाम भी होता है। सरकार भी इस दिशा में भविष्य में साइकिलिंग के अनुकूल लेन और बुनियादी ढांचा विकसित करने के प्रयासों पर विचार कर रही है, ताकि लोग सुरक्षित और सहज रूप से साइकिल का उपयोग कर सकें। इस अवसर पर I4सी (इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर) के प्रतिनिधियों ने भी साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य किया। सूद ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि आजकल साइबर अपराध जिस तेजी से बढ़ रहे हैं और अपराधी आम नागरिकों के साथ-साथ बुजुर्गों को भी निशाना बना रहे हैं। ऐसे में लोगों को I4सी के पोर्टल और जागरूकता अभियानों को गंभीरता से समझना होगा ताकि आप अपने और अपने परिवार को सायबर अपराध से बचा सकें। सूद ने कहा की आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में राहगीरी फाउंडेशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने फाउंडेशन की संस्थापक सारिका पांडे के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके सहयोग से यह आयोजन और अधिक जीवंत और प्रेरणादायक बना है। सूद ने दिल्लीवासियों से अपील करते हुए कहा कि 'संडेज़ ऑन साइकिल्स' को अपनी साप्ताहिक दिनचर्या का स्थायी हिस्सा बनाएं और इस पहल को एक बड़े जनआंदोलन में बदलने में सरकार का आगे बढ़ कर सहयोग करें। उन्होंने विश्वास जताया कि युवाओं और बच्चों की भागीदारी से यह अभियान दिल्ली के पर्यावरण सुधार और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान सूद ने अंतिम पंगल, अर्जुन अवार्डी, नीलम, गोल्ड मेडलिस्ट, प्रिया मलिक, यू 20 वर्ल्ड चैंपियन, वीरेंद्र दहिया, हेड कोच, इंडियन वुमन रेसलिंग टीम तथा भारती, कोच, इंडियन वुमन रेसलिंग टीम के प्रतिभागियों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

फोर्टिस गुरुग्राम ने मल्टी-डिसिप्लिनरी केयर के साथ मोटापे से निपटने के लिए समग्र ओबेसिटी क्लिनिक शुरू किया

» **मशहूर टीवी और फिल्म अभिनेता राम कपूर ने इस पहल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य समग्र वजन प्रबंधन (होलिस्टिक वेट मैनेजमेंट) को बढ़ावा देना है**

लोकतंत्र की शान

गुरुग्राम : फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने समग्र ओबेसिटी क्लिनिक शुरू करके भारत में बढ़ते मोटापे की महामारी से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह क्लिनिक व्यापक और मल्टी-डिसिप्लनरी देखभाल मॉडल प्रदान करता है, जो बैरिएट्रिक सर्जन, न्यूट्रिशनिस्ट्स, इंटर्नल मेडिसिन विशेषज्ञ और लैप्रोस्कोपिक जीआई सर्जन जैसे विशेषज्ञों को एक साथ लाता है, ताकि मरीजों के लिए पर्सनलाइज्ड और मरीज-केंद्रित उपचार योजनाएं तैयार की जा सकें। विविध क्लीनिकल विषयों की विशेषज्ञता को एकीकृत करके इस क्लिनिक का उद्देश्य प्रत्येक मरीज की विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप समग्र देखभाल और दीर्घकालिक समाधान प्रदान करना है।

क्लीनिक की शुरुआत के मौके पर जाने-माने अभिनेता राम कपूर ने कहा, "फिटनेस का मतलब केवल वजन मापने वाली मशीन पर दिखने वाला नंबर नहीं है, बल्कि इसका मतलब है मजबूत, ऊर्जावान और स्वस्थ महसूस करना। फिट रहना सतत चलने वाली प्रक्रिया है और जिंदगी लगातार खुद को बेहतर बनाने के इर्द-गिर्द घूमनी चाहिए। मोटापे को सिर्फ बाहरी समस्या के तौर पर नहीं, बल्कि गंभीर और पुरानी चिकित्सकीय समस्या के तौर पर देखा जाना चाहिए, जिसके लिए निरंतर सही चिकित्सा देखभाल और जीवनशैली में बदलाव की जरूरत होती है।" अपनी सेहतमंद जीवन के सफर से प्रेरणा लेते हुए कपूर ने वेलनेस के लिए समग्र नजरिया अपनाने के महत्व पर जोर दिया, जिसमें उपयुक्त पोषण, नियमित फिजिकल एक्टिविटी, पूरी नींद और मानसिक सुकून शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मोटापे की समस्या से प्रभावी तरीके से छुटकारा पाने के लिए सही मेडिकल गाइडेंस, लंबे समय की प्रतिबद्धता और सहायक स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र की जरूरत होती है, जैसा कि स्पेशलाइज्ड क्लीनिक, जो विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को एक साथ लाता हैं। उन्होंने वजन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को त्वरित समाधानों पर निर्भर रहने के बजाय जल्द से जल्द पेशेवर मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात जोर दिया कि स्थायी स्वास्थ्य परिणाम जीवनशैली में निरंतर बदलाव और विशेषज्ञ चिकित्सा सहायता के मेल से प्राप्त होते हैं। इस मौके पर फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के प्रिंसिपल डायरेक्टर और यूनिट हेड - इंटरनल मेडिसिन, डॉ. सतीश कौल ने कहा, "मोटापा एक गंभीर स्वास्थ्य चिंता है जो कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ाता है और जीवन की गुणवत्ता पर असर डालता है। हमारा ओबेसिटी क्लिनिक फोर्टिस हेल्थकेयर की समग्र और मरीज-केंद्रित देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो लोगों को प्रभावी वजन प्रबंधन (वेट मैनेजमेंट) के लिए टिकाऊ समाधानों के साथ सशक्त बनाता है। मोटापा केवल बाहरी समस्या नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर मधुमेह (डायबिटीज), दिल की बीमारी और रक्तचाप (हाइपरटेंशन) जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों का कारण बनता है। हमारा क्लिनिक व्यापक देखभाल प्रदान करता है, जिसमें जीवनशैली में बदलाव लाने वाली रणनीतियां और आधुनिक चिकित्सा उपचार शामिल हैं।" क्लिनिक में उपलब्ध उन्नत उपचार विकल्पों के बारे में चर्चा करते हुए फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के प्रिंसिपल डायरेक्टर और एचओडी– लैप्रोस्कोपिक जीआई, जीआई ऑन्कोलॉजी, बैरिएट्रिक और एआईएस सर्जरी, डॉ. (प्रो.) अमित जावेद ने कहा, ''गंभीर मोटापे से पीड़ित ऐसे लोगों के लिए जिन पर जीवनशैली और चिकित्सा उपचार का कोई असर नहीं होता, बैरिएट्रिक सर्जरी एक सुरक्षित और बहुत असरदार विकल्प हो सकती है। फोर्टिस में हम एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की मदद से आधुनिक और कम से कम चीरा वाली बैरिएट्रिक प्रक्रियाएं उपलब्ध कराते हैं, ताकि मरीजों को सबसे अच्छे नतीजे मिलें और उन्हें लंबे समय तक उसका फायदा हो। मरीजों को पूरी जांच-पड़ताल, जीवनशैली से जुड़े परामर्श, खान-पान से जुड़ी सलाह और सर्जरी के आधुनिक विकल्पों का लाभ मिलता है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह क्लिनिक न्यूनतम चीर-फाड़ वाली बैरिएट्रिक सर्जरी में विशेषज्ञता रखता है जो सुरक्षित प्रक्रियाओं, तेजी से रिकवरी और मरीजों के बेहतर परिणामों को सुनिश्चित करती है।'' फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के फैसिलिटी डायरेक्टर और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट यश रावत ने कहा, "द लैंसेट में प्रकाशित एक वैश्विक विश्लेषण में अनुमान लगाया गया है कि 2050 तक भारत में सभी आयु वर्ग में 44 करोड़ से अधिक लोग ओवरवेट और मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। यह क्लिनिक सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के हमारे संकल्प को दर्शाता है। हमारा लक्ष्य लोगों को स्पेशलाइज्ड ओबेसिटी केयर और लगातार सहयोग के माध्यम से लोगों को अपने बेहतर स्वास्थ्य को फिर से पाने के लिए सशक्त बनाना है। क्लिनिकल उत्कृष्टता, आधुनिक उपचार और करुणापूर्ण देखभाल के माध्यम से फोर्टिस हॉस्पिटल गुरुग्राम ओबेसिटी मैनेजमेंट को बेहतर बनाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह तैयार है।"

फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड के बारे में–फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी के हेल्थकेयर वर्टिकल्स में मुख्यतः अस्पताल, डायग्नॉस्टिक्स तथा डे केयर विशेषज्ञ सेवाएं शामिल हैं। वर्तमान में, कंपनी देश भर के 12 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में कुल 36 हेल्थकेयर सुविधाओं)जिनमें जेवी और ओ एंड एम शामिल हैं) का संचालन करती है। कंपनी के नेटवर्क में 6,000 से अधिक ऑपरेशनल बेड्स (ओ एंड एम समेत) तथा 400 डायग्नॉस्टिक्स लैब्स शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिरसी में बच्चों ने रखा पहला रोज़ा परिवार व मोहल्ले में खुशी का माहौल

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी : संभल/सिरसी। पवित्र माह रमज़ान के दौरान नगर पंचायत सिरसी के मोहल्ला सराय सादक, वार्ड नंबर 7 में उस समय खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला, जब सभासद क्यामुद्दीन सैफी के भतीजे सलाउद्दीन सैफी (11 वर्ष) और भतीजी मुबास्सीरा (11 वर्ष) ने अपना पहला रोज़ा रखा। बच्चों के पहले रोजे को लेकर पूरे परिवार और मोहल्ले में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह सहरी के समय से ही घर में रौनक का माहौल था। परिवार के सभी सदस्यों ने बच्चों को दुआओं के साथ रोज़ा रखने के लिए प्रेरित किया। दिनभर दोनों बच्चों ने पूरे उत्साह, सब्र और हिम्मत के साथ अपना रोज़ा पूरा किया। शाम को इफ्तार के समय परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और मोहल्ले के लोगों ने बच्चों को मुबारकबाद दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की। इस मौके पर परिजनों ने बताया कि रमज़ान का महीना इबादत, सब्र, त्याग और नेकी का पैगाम देता है। इस पवित्र महीने में बच्चे भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और रोज़ा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं। मोहल्ले के लोगों ने भी बच्चों के इस नेक कदम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अवसर समाज में धार्मिक और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। बच्चों के पहले रोजे के मौके पर घर में खास तौर पर इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें परिवार और रिश्तेदारों ने मिलकर हिस्सा लिया। बच्चों के पहले रोज़े की खुशी में पूरे घर में जश्न जैसा माहौल रहा और परिजनों ने अल्लाह से दुआ की कि उनके रोज़े कुबूल हों और वे आगे भी दीन और इंसानियत की राह पर चलते रहें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान का हुआ समापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः रविवार को नगर के सरस्वती शिशु मंदिर जू०हा० स्कूल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया बताते चलें कि कार्यक्रम के सभी सत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्ण सहभागिता निभाई, सत्र का समापन वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ इस मौके पर सहभागिता करते जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, हसनपुर आदर्श नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा शुभम चौधरी, जिला उपाध्यक्ष युवा शिखर अग्रवाल, भाजपा नेता अंकुर अग्रवाल, जिला संयोजक हिमांशु त्यागी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी मनीष दक्ष, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़गवंशी, विधानसभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा,पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता, मंडल महामंत्री संजय राणा, मंडल उपाध्यक्ष नन्दन खड़गवंशी मंडल महामंत्री सौरभ गुप्ता, मंडल मंत्री विभोर अग्रवाल, सोशल मीडिया प्रभारी विजय पारछा, राहुल पारछा,मंडल उपाध्यक्ष ममता शर्मा, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सुषमा त्यागी, जिला कार्यकारिणी सोनिया प्रजापति, मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा महेश चंद्र अग्रवाल कविता सैनी, पूर्व मंडल मंत्री दीपमाला वर्मा, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष अमरपाली, कपिल देव, बबीता सैनी, डॉक्टर महेश कुमार, सोरजन सिंह, बाबूराम सिंह आदि सहित भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे

यूपी दरोगा भर्ती परीक्षा में "पंडित; शब्द को लेकर ब्राह्मण समाज में उबाल, राष्ट्र सेवी संगठन ने जताया विरोध

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः यू पी दरोगा भर्ती परीक्षा में प्रश्न अवसर वादी कौन के उत्तर के विकल्प में पंडित शब्द के प्रयोग किए जाने के विरुद्ध हसनपुर क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ता होली चौक पर इकट्ठा हुए। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि पूर्व में वेव सीरीज का नाम घूसखोर पंडित रखकर ब्राह्मण समाज को अपमानित करने का काम किया गया था। ठीक उसी तरह दिनांक 14 मार्च 2026 को आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस एस आई भर्ती परीक्षा के हिंदी खंड में एक मुहावरे अवसर के अनुसार बदल जाने वाला के विकल्प के रूप में पंडित शब्द का प्रयोग आपत्ति जनक, संवेदन शील, एवं ब्राह्मण समाज को अपमानित करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को शायद यह याद नहीं कि समाज हित में सहर्ष प्राण त्याग कर शरीर की हड्डियों को वज्र निर्माण हेतु देने वाले ऋषि वशिष्ठ ब्राह्मण थे। जनहित के लिए आचार्य चाणक्य द्वारा दिया गया योगदान भी अविस्मरणीय है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए जिससे भविष्य में कोई ऐसी नीच हरकत करने का दुस्साहस न कर सके। इसके अलावा गांवों में गेस की सप्लाई न होने पर आक्रोश व्यक्त किया गया। अतिशीघ्र गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूर्व की भांति पुनः गांव गांव घर घर शुरू किए जाने की मांग की गई। इस अवसर पर महिपाल सिंह प्रांत गन्ना मंत्री भारतीय किसान संघ, कैलाश सिंह एड, जितेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, पीतम सिंह, सुखदेव शर्मा, अल्पेंद्र, मनोज, राकेश सिंह, जय प्रकाश, अमित, वेदपाल, टिंकू, बबलू आदि मौजूद रहे।

गैस उपभोक्ताओं ने गैस ना मिलने पर गैस गोदाम के बाहर लगाया जाम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः रविवार को गैस उपभोक्ताओं के सब्र का बांध टूट गया और उपभोक्ताओं ने हसनपुर गजरौला मार्ग पर स्थित गैस गोदाम के आगे जाम लगा दिया, बता ते चले कि पिछले कुछ दिनों से जारी गैस की किल्लत ने रविवार को और गंभीर रूप ले लिया, वहीं गैस न मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने गजरौला मार्ग पर खाली सिलेंडर रखकर जाम लगा दिया जिससे यातायात ठहर गया, हसनपुर गजरौला मार्ग स्थित हसनपुर गैस एजेंसी के इंडियन गैस गोदाम पर सुबह 4 बजे से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतारे लग गई थी, बारिश आंधी, तूफान, ठंड और घंटो इंतजार के बाद भी जब 10 बजे तक भरे सिलेंडर मिलने की उम्मीद खत्म हो गई तो उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया, उपभोक्ताओं ने खाली सिलेंडर रोड पर रखकर जाम लगा दिया एक उपभोक्ता चंद्रावती ने बताया कि वह पिछले 5 दिनों से गैस लेने के लिए चक्कर काट रही है लेकिन अभी तक गैस नहीं मिली वहीं उपभोक्ता इकराम ने बताया कि सुबह से शाम तक लाइन में लगने के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है जहां एक और ईद एवं नवरात्र का त्यौहार आने वाला है ऐसे में गैस की किल्लत बढ़ती जा रही है, जबकि अधिकारियों द्वारा जिले में गैस की कोई कमी नहीं होने का दावा किया जा रहा है, वहीं जाम की सूचना पर कस्बा इंचार्ज राम प्रकाश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने आक्रोर्षित उपभोक्ता को शांत कराया और गैस आपूर्ति सुचारू कराने का आश्वासन दिया, पुलिस के आश्वासन के बाद उपभोक्ताओं ने जाम खोल दिया और ट्रैफिक सामान्य हो गया।

अंबेडकर विकास मंच ने गोष्ठी का आयोजन कर मनाई काशीराम जी की जयंती

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को अंबेडकर विकास मंच के तत्वाधान में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के द्योतक मान्यवर साहब कांशीराम जी का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया अंबेडकर जन्मोत्सव समिति की अध्यक्ष श्रीमती चंचल सागर ने कहा कि आज संपूर्ण भारत में मान्यवर साहब का जन्मदिन सभी राजनीतिक पार्टियाँ एवं सामाजिक संगठन बड़े ही धूमधाम से मना रहे हैं मान्यवर काशीराम साहब ने दलित शोषित वंचित एवं पिछड़े वर्ग के सम्मान के लिए क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का काम किया मान्यवर साहब ने अकेले दम पर अपेक्षित रहे समाज को एक सशक्त समाज में परिवर्तित करने का काम किया आज मान्यवर साहब की विचारधारा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि उन्होंने अपने जीवन में साफ सुथरी छवि के साथ राजनीतिक मुकाम हासिल किया और सभी को समानता की परिभाषा सिखाई अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने कहा की मान्यवर काशीराम साहब ने उस समय काम किया जब लोग दो जून की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे थे उन्होंने हजारों किलोमीटर साइकिल से यात्राएं की और अपने समाज को जगाने का काम किया उन्होंने गांव-गांव और बस्ती बस्ती जाकर सामाजिक चेतना की ऐसी अलख जगाई कि आज समाज के लोग अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं साधनहीन होने के बाद भी काशीराम साहब ने इतना बड़ा राजनीतिक परिवर्तन किया कि लोग सदियों तक याद रखेंगे ग्राम प्रधान मीनू रानी ने कहा कि मान्यवर कांशीराम साहब ने उत्तर प्रदेश की राजनीति ही नहीं बल्कि देश की राजनीति में भी बड़े बदलाव किए हैं उनकी सामाजिक क्रांति की बदौलत ही पिछले पायदान पर खड़ा इंसान भी बड़ा मुकाम हासिल करने का सपना देख सकता है उनके जीवन संघर्ष से हमें यह सीखने को मिलता है कि हम साधारण रहते हुए भी सादगी के साथ रहते हुए भी लोगों को लायक बना सकते हैं अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ललित कुमार ने कहा कि इस वर्ष मान्यवर कांशीराम साहब को हर राजनीतिक दल एवं सामाजिक संगठन के लोग उनकी जन्म जयंती मना रहे हैं यह बड़े सौभाग्य की बात है उनके विचारधारा को ईमानदारी के साथ सभी राजनीतिक और सामाजिक संगठन जमीन पर लाकर सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं, इस अवसर पर मास्टर छोटेलाल जी पूर्व प्रधानाचार्य, सुशील भगत जी, राजेंद्र गुड्डू पूर्व सभासद, मास्टर जगत सिंह, मास्टर जयवीर सिंह, शिवानी रानी, भागेन्द्र सिंह लेखपाल, मास्टररामपाल सिंह, डॉक्टर अनिल कुमार, ललित सिंह उर्फ लकी, चंद्रभान सिंह, फतेहचंद अध्यक्ष रवि दास जयंती, कपिल उर्फ कालू, बाबूराम जाटव अध्यक्ष अंबेडकर उद्यान समिति, बृजपाल सिंह, ताराचंद प्रधान, चंचल सागर, अध्यक्ष अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर आदि उपस्थित रहे।

... और पूरी हो गई स्कूली बच्चे की इच्छा

लोक तंत्र की शान

जालौर/लखनऊ। राजस्थान के जालौर स्थित श्री शांतिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में पढ़ने वाले एक बच्चे की इच्छा रविवार को पूरी हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो सदैव बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर देते हैं, ने उस बच्चे के मनोभाव को समझते हुए तत्काल उसके मन की मुराद पूरी कर दी। दरअसल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान में रहे। वह श्री शांतिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित नवीन भवन के अवलोकन कार्यक्रम में पहुंचे। यहां पढ़ने वाला एक बच्चा विद्यालय के कणिया गिरि मंच के नीचे खड़ा होकर मुख्यमंत्री के फ्रेम में बार-बार सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। यह देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उस बच्चे को मंच पर बुला लिया। बच्चे से उसका नाम, क्लास आदि की जानकारी ली, फिर मोबाइल लेकर अपने हाथों से बच्चे के साथ सेल्फी खींची। इस पर आह्लादित बच्चे ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहा। मुख्यमंत्री ने यहां अपने विचार भी व्यक्त किए। अतिथियों ने मुख्यमंत्री का स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। अंत में मुख्यमंत्री ने स्कूल के शिक्षकों, बच्चों, कलाकारों आदि के साथ फोटो खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट भी प्रदान की।

» सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे बच्चे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर बुलाया

» सीएम योगी ने बच्चे संग खींची सेल्फी, बच्चे को किया दुलार, चॉकलेट भी दी

ईद को लेकर तैयारियां पूरी, ईदगाह जाने वाली सड़क कराई गई दुरुस्त विधायक तसलीम अहमद

विधायक तस्लीम अहमद

लोक तंत्र की शान,खिज़्र अहमद

नजीबाबाद। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईद के मौके को ध्यान में रखते हुए ईदगाह जाने वाली मुख्य सड़क की मरम्मत करा दी गई है। यह कार्य नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया है। गौरतलब है कि ईद के दिन बड़ी संख्या में नमाज़ी इसी मार्ग से होकर ईदगाह पहुंचते हैं और नमाज़ अदा करते हैं। पहले सड़क पर कई स्थानों पर गड्ढे होने के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोगों की समस्या को देखते हुए विधायक हाजी तसलीम अहमद ने लोक निर्माण विभाग को सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए, जिसके बाद विभाग द्वारा सड़क को दुरुस्त कर दिया गया है। सड़क की मरम्मत होने से अब ईद के दिन नमाज़ पढ़ने आने वाले नमाज़ियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। क्षेत्रवासियों ने इस कार्य के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि त्योहार से पहले सड़क ठीक हो जाने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

भारत की नींव को कमजोर कर रही जातिवाद की राजनीति : मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

चित्तौड़गढ़/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद फैलाने वालों को चित्तौड़गढ़ की धरती से दो टूक संदेश दिया। उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां सुनाई -

"मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का-वीरों का
धनुष छोड़कर और गोत्र क्या होता रणधीरों का
पाते हैं सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर
जाति-जाति का शेर मचाते केवल कायर, क्रूर"

मुख्यमंत्री ने कहा, जिन्हें कुछ नहीं करना है, वे जातिवाद के आधार पर सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का पाप कर रहे हैं। जातिवाद ने समाज की नींव को दरका दिया था, इसलिए देश कमजोर हुआ। जातिवाद की राजनीति भारत की नींव को कमजोर कर रही है। बांटने की राजनीति फिर से हम सबको गुलामी की तरफ धकेल रही है। इससे बचने के लिए हमें एकजुटता के भाव से बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को ईनाणी सिटी सेंटर, चित्तौड़गढ़ में जौहर श्रद्धांजलि समारोह में जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया। उन्होंने पंजाब के पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह की पुस्तक का विमोचन भी किया।

रामसेतु तोड़ने को उतावले लोग राम मंदिर निर्माण का विरोध करते रहे-सीएम योगी ने जनसमूह से पूछा कि वे कौन लोग हैं, जो जातिवाद के आधार पर समाज को बांट रहे हैं। अफवाह के आधार पर विश्वास का संकट खड़ा कर रहे हैं। भारत-भारत न बना रहे, इसके लिए दुष्चक्र कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने कहा था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। राम मंदिर आंदोलन में विरोधी पक्ष के साथ मिले और फैसला न होने देने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया था। ये लोग रामसेतु तोड़ने के लिए उतावले दिखाई देते हैं, राम मंदिर निर्माण का विरोध करते हैं। ये लोग देश में अविश्वास का वातावरण पैदा कर रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इनका मकसद भारत को कठघरे में खड़ा करके अविश्वसनीय बना देना है। इन्हें देश की चिंता नहीं है। इनके अपने अस्तित्व पर संकट है, इसलिए भारत की अस्मिता से खिलवाड़ करने पर उतारू हैं।

संभलः जिलाध्यक्ष असगर अली की अध्यक्षता में सपा बैठक, कांशीराम जयंती मनाई; अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/बहजोई समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय कैंप कार्यालय बहजोई में मान्यवर कांशीराम की जयंती बहुजन समाज दिवस एवं पीडीए दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली असारी ने की। इस दौरान जिला अध्यक्ष, सांसद, विधायक, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला अध्यक्ष असगर अली असारी ने कहा कि मान्यवर कांशीराम हमेशा दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों की आवाज रहे। उन्होंने समाज की मुख्यधारा से दूर हुए लोगों को जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि कांशीराम जी का जन्म 15 मार्च 1934 को पंजाब के रोपड़ जिले में हुआ था और वे एक महान समाज सुधारक, प्रखर राजनेता तथा बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक थे। राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि कांशीराम जी ने अपने जीवन में दलितों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने 1973 में ऑल इंडिया बैकवर्ड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लॉइज फेडरेशन (बामसेफ) की स्थापना कर सामाजिक जागरूकता का बड़ा अभियान चलाया। गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी यादव ने कहा कि कांशीराम जी ने दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज को राजनीति में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और "जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी" का नारा देकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा दी। विधायक प्रतिनिधि असमोली प्रमोद यादव ने कहा कि कांशीराम जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और उनका जीवन हमें सामाजिक न्याय और समानता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। चंदौसी की पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने भी कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि कांशीराम जी की जयंती पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि संभल जिले की सभी विधानसभा सीटें जीतकर अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का कार्य करेंगे। इस दौरान जिला अध्यक्ष, सांसद और विधायक ने ठेकेदार रमेश जाटव को समाजवादी पार्टी की सदस्यता भी दिलाई। बैठक में गुन्नौर विधायक प्रतिनिधि अखिलेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष अमित यादव, उमेश यादव, ताहिर उल्ला खान, वरिष्ठ नेता लड्डन मियां, ओमप्रकाश प्रजापति, कामरेड रेवाराम, संगीता पाल, उमेश दिवाकर सहित शोभित कुमार, काका, सद्दाम कुरैशी, संजय मदान, सुनील यादव, जय सिंह, निसार अहमद, पप्पू यादव, विजय यादव, सुभाष चंद्र जाटव, सुमित, के.पी. यादव, रवि दिवाकर, अमरपाल यादव, अशोक राणा, मलखान सिंह, गुड्डू वकील, साजिद, रिकू चौहान, शिवम यादव, रवि शंखधार, मनीष यादव, चेतन गुप्ता, मनोज शर्मा, अशोक गुप्ता, अवनीश सागर, लोकेश यादव, जितेंद्र यादव, धरमवीर यादव, गुल्लू यादव, देव यादव, अनिकेत गुप्ता, जयवीर यादव, नाथू यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राहगीरों को रोजा इफ्तार कराकर हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल पेश कर रहे हैं खावर अली खान

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ गजरौलाः जनपद अमरोहा के ग्राम सिहाली जागीर निवासी समाजसेवी खावर अली खान हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल हैं समाजसेवी खावर अली खान विगत 10 वर्षों से प्रतिवर्ष पवित्र रमजान के आगमन पर गजरौला हसनपुर रोड पर सिहाली जागीर में सड़क किनारे पहली रमजान से ही कैंप कार्यालय स्थापित कर इफ्तार के समय निकलने वाले वाहनों को रोक रोक कर इफ्तार कराते हैं उनके इस काम में उनकी टीम बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं खावर अली खान का कहना है कि लगभग व प्रतिदिन 400 से 500 लोगों को बिना किसी भेदभाव के इफ्तार करआते हैं उनका कहना है कि ईद के समीप आने पर तो मुसाफिरों की संख्या 1500 से 1600 के बीच हो जाती है उन्होंने बताया कि वह अब तक 20 हजार से भी अधिक मुसाफिरों को इफ्तार करा चुके हैं उन्होंने बताया कि हम तथा हमारे समर्थक बिना किसी भेदभाव के इफ्तार कराते हैं यही नहीं खावर अली खान प्रतिवर्ष क्षेत्र के हजारों लोगों को अपने आवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन करते हैं जिसमें ग्राम वासियों के अतिरिक्त क्षेत्र के हजारों गणमान्य व्यक्ति शामिल होते हैं आजकल के इस माहौल में बगैर किसी भेदभाव के इतने बड़े कार्यक्रम का आयोजन करना सराहनीय कार्य है जिसकी लोग भूरी भूरी प्रशंसा कर रहे हैं

रमजान का आखरी अशरा, जहन्नम से आजादी : मुफ्ती नाज़िर रज़ा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

उझारी। रमज़ानुल मुबारक अल्लाह तआला की बहुत बड़ी नेमत है। यह वह मुबारक महीना है जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों पर रहमत, मग़फ़िरत और जहन्नम से आज़ादी के दरवाज़े खोल देता है। नगर की मस्जिद कुरैशियान के खतीब व इमाम मुफ्ती नाज़िर रज़ा ने लोगों को ख़िताब फरमाते हुए कहा कि रमज़ानुल मुबारक का महीना बड़ी फज़ीलत वाला है। हदीस शरीफ में आता है कि रमज़ान का पहला हिस्सा रहमत, बीच का हिस्सा मग़फ़िरत और आख़िरी हिस्सा जहन्नम से आज़ादी का है। आज हम रमज़ान के आख़िरी अशरे में हैं और यह अशरा बहुत ही मुबारक और अहम है। सहीह बुख़ारी में हदीस में आता है कि जब रमज़ान का आख़िरी अशरा आता तो नबी करीम ﷺ इबादत में बहुत ज़्यादा मेहनत करते, रातों को जागते और अपने घर वालों को भी इबादत के लिए जगाते थे। इससे मालूम हुआ कि आख़िरी अशरे में इबादत और ज़्यादा करनी चाहिए। इसी आख़िरी अशरे में शबे क़द्र होती है। अल्लाह तआला कुरआन में फ़रमाता है, शबे क़द्र हज़ार महीनों से बेहतर है। हमें रमजान के महीने की कद्र करने चाहिए और ज्यादा से ज्यादा इबादत करनी चाहिए।

आवारा कुत्तों के लगातार हमलों को देखते हुवे ज़ीशान नजीबाबादी ने बुद्धिजीवियों के साथ आयोजित की संयुक्त चर्चा

» "क्या चर्चा में उठे अहम मुद्दों पर नगर पालिका समाधान की दिशा में बढ़ेगी आगे?

लोक तंत्र की शान, (खिज़्र अहमद)

नजीबाबाद : नजीबाबाद शहर में लगातार बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या और उनके हमलों की घटनाओं को देखते हुए नगर पालिका परिषद नजीबाबाद में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस समस्या के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझावों पर चर्चा की गई और भविष्य की कार्ययोजना पर विचार किया गया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती तादाद के कारण लोगों में भय का माहौल बन रहा है। कई इलाकों से कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे आम नागरिकों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कुत्तों की नसबंदी और वैक्सीनेशन अभियान को बड़े स्तर पर चलाने की आवश्यकता बताई गई। चर्चा में यह भी सुझाव रखा गया कि शहर में डॉग शेल्टर हाउस की व्यवस्था की जाए, ताकि आवारा कुत्तों को सुरक्षित स्थान मिल सके। साथ ही यह भी कहा गया कि कुत्तों के साथ किसी प्रकार की क्रूरता या दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे उनका व्यवहार और अधिक आक्रामक हो सकता है। बैठक में पशु चिकित्सालयों के माध्यम से कुत्तों के टीकाकरण की व्यवस्था को मजबूत करने और स्कूल-कॉलेजों व सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से लोगों को जागरूक करने की बात भी सामने आई। इसके लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित कराने का सुझाव दिया गया। पालिका चेयरमैन इंजीनियर मुअज्जम ने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए जल्द ही बिजनौर जिलाधिकारी से मुलाकात कर जिले के अन्य नगर निकायों और ग्राम प्रधानों के साथ भी बैठक आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए राज्य सरकार से आवश्यक बजट की मांग भी की जाएगी और पशु चिकित्सालयों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को पत्र भेजा जाएगा। बैठक में वरिष्ठ समाजसेविका अनुराधा माथुर, डॉ. दिलशाद अहमद, शमशुल इस्लाम एडवोकेट, वसीम अहमद बक्श, डॉ. शाकिर खान, डॉ. तारिक जकी, जीशान नजीबाबादी, सरफराज खान, हरप्रीत सिंह, राहुल चौहान, सना, इंशा और चेतना गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और सभी ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना 2027 के प्रथम चरण को लेकर सहरसा में प्रशिक्षण सत्र आयोजित

लोकतंत्र की शान : सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत अपेक्षित कार्यों के सुचारु और प्रभावी संचालन को लेकर 14 मार्च को स्थानीय विकास भवन, सहरसा में जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों तथा अन्य शासकीय पदाधिकारियों के लिए आयोजित त्रिदिवसीय प्रशिक्षण सत्र का दूसरा दिन संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सत्र के दौरान संबंधित चार्ज पदाधिकारियों को CMMS पोर्टल पर जनगणना कार्य के लिए प्रतिनियुक्त प्रगणक और पर्यवेक्षकों के लॉगिन और पासवर्ड बनाने की कार्यविधि सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान जनगणना कार्य से जुड़े विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई, ताकि आगामी जनगणना कार्य को सुचारु और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जा सके। प्रशिक्षण सत्र में जनगणना कार्य से जुड़े सभी संबंधित अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे प्रशिक्षण में दी गई जानकारी का समुचित उपयोग करते हुए जनगणना 2027 के कार्यों को निर्धारित समयसीमा में सफलतापूर्वक संपन्न कराएं।

राघोपुर में फ्री हेल्थ कैंप,स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने की जांच, सैकड़ों मरीजों पहुंचे,मुफ्त दवाइयां दी गईं

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के राघोपुर प्रखंड अंतर्गत जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के चकसिंगार पंचायत के वार्ड संख्या 2 स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल पटना और जिला स्वास्थ्य समिति वैशाली के सहयोग से लगाया गया था। वैशाली के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) कुंदन कुमार ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दूरदराज के ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में सैकड़ों मरीजों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और मुफ्त दवाइयां प्राप्त कीं। इस अवसर पर वैशाली के सिविल सर्जन डॉ. श्यामनंदन प्रसाद सिंह, जिला स्वास्थ्य समिति के प्रबंधक डॉ. कुमार मनोज, राघोपुर प्रखंड के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी आनंद प्रकाश, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप पटेल, हेल्थ मैनेजर अभय राय और पंचायती राज पदाधिकारी विपुल विक्रम सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। मेदांता हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की। इसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरभि सपना, श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार, गैस्ट्रो रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन कुमार और फिजिशियन डॉ. विनोद कुमार शामिल थे, जिन्होंने मरीजों को परामर्श और उपचार प्रदान किया। स्वास्थ्य कर्मियों रेणु कुमारी, डॉ. रवीना शर्मा, डॉ. शिल्पा सिंह, प्रभावती कुमारी, आंचल राज, नीतू कुमारी, वंदना कुमारी और जूही कुमारी ने भी शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया। चकसिंगार पंचायत के मुखिया शिवपूजन भगत और मुखिया प्रतिनिधि राजीव सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे और ग्रामीणों को स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। डीडीसी कुंदन कुमार ने बताया कि राघोपुर प्रखंड के इस क्षेत्र से शहर की दूरी अधिक है और बाढ़ के समय इलाज के लिए बाहर जाना मुश्किल हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव का 40वां जन्मदिन

लोकतंत्र की शान : पटना। आज भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव का जन्मदिन है। आज वह अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं। खेसारी लाल रविवार दोपहर पटना एयरपोर्ट पहुंचे, जहां बर्थडे विश करने पर उन्होंने फैंस को शुक्रिया कहा। इस दौरान अन्मय सवालों पर वे बोलने से बचे। बर्थडे को लेकर पटना में भी कई जगह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दानापुर फरीदपुर नौबतपुर रोड में खेसारी की उपस्थिति में जन्मदिन का केक काटा जाएगा। वहीं, खेसारी के बर्थडे के अवसर पर पटना के विभिन्न जगहों पर कुछ लोगों द्वारा भंडारा का आयोजन किया गया है। बोरिंग रोड चौराहा पर दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक मुख्य प्रोग्राम होगा। एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने खेसारी को जन्मदिन विश करते हुए अपने साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दोनों काफी करीब नज़र आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे टू द मोस्ट हैंडसम, एनर्जेटिक, टैलेंटेड मैन आई नो। लॉट्स ऑफ लव खेसारी जी।' उन्होंने कैप्शन लिखा, 'आपको जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं खेसारी जी। भगवान आपको हमेशा स्वस्थ रखें, खुश रखें और आपका हर सपना पूरा हो। आप यही हमेशा लोगों के दिलों पर राज करते रहें।' पवन सिंह और खेसारी यादव के बीच जुबानी जंग चल रही है। खेसारी ने पवन के बर्थडे सेलिब्रेशन को लेकर मज़ाक बनाया था। दरअसल, पवन सिंह अपने बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान लड़खड़ाते नजर आए थे। वीडियो सामने आने पर आरोप लगा कि पवन केक काटने के दौरान नशे में थे। अगले दिन खेसारी ने एक स्टेज प्रोग्राम में पवन सिंह का मजाक उड़ाया था। लड़खड़ाकर मिमिक्री करते हुए कहा था, 'वो बोल नहीं रहा है, हिल के बता रहा है कि अंदर कुछ गया है। लोग इत्ती सी पी लेते हैं तो हिलने लगते हैं, हमें देखो एक ही जगह खड़े हुए हैं।'

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में फ्री हेल्थ कैंपःछात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीणों ने उठाया लाभ, डॉक्टरों ने दी सेवा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर प्रखंड अंतर्गत चकसिकंदर स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में एक निःशुल्क बहुचिकित्सकीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर महाविद्यालय की एकेडमिक बिल्डिंग के भूतल पर स्थित चिकित्सा गृह में संपन्न हुआ, जिसमें शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। यह स्वास्थ्य शिविर डॉ. स्मिता सिंह, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. गौरव और डॉ. लव कुमार नीरज के सौजन्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम तक चला। इसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों और आसपास के ग्रामीणों ने भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने बताया कि यह आयोजन महाविद्यालय की स्वास्थ्य जागरूकता पहल का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों के विशेष प्रयासों से यह शिविर सफल हो सका। प्राचार्य ने आगे बताया कि चिकित्सकों ने सभी मरीजों का गहन परीक्षण कर उचित निदान और परामर्श दिया। उन्होंने इसे केवल एक स्वास्थ्य जांच शिविर नहीं, बल्कि समाज के प्रति महाविद्यालय के उत्तरदायित्व की भावना का प्रतीक बताया। शिविर के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य के निर्देशन में एक विशेष समिति का गठन किया गया था। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रो. प्रियम कुमारी कार्यक्रम की कन्वीनर थीं, जबकि प्रो. निशा, प्रो. रजनी, प्रो. प्रिया, प्रो. कुमार अभिनव, प्रो. अभिषेक कुमार, प्रो. विवेक कुमार, प्रो. सुप्रिया, प्रो. श्वेता सुमन और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आलोक कुमार ने कोऑर्डिनेटर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि शिविर में मरीजों की अच्छी भीड़ रही। छात्रों और स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से गरीब और जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिलती है। कार्यक्रम के अंत में, प्राचार्य ने सभी स्वयंसेवी चिकित्सकों और आयोजन समिति के सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

वैशाली में सिविल कोर्ट परिचारी परीक्षा शांतिपूर्ण जारी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में सिविल न्यायालय कार्यालय परिचारी पद की परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में आयोजित की जा रही है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए पूरे जिले में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और पदाधिकारियों को तैनात किया गया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अभ्यर्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सुचारु आवागमन के लिए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास गश्ती दल तैनात किए गए हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले में इस परीक्षा के लिए कुल 15 केंद्र बनाए गए हैं।

सतीश झा उर्फ छोटू मिश्रा हत्याकांड का 36 घंटे में खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार; कई अवैध हथियार बरामद

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। सहरसा के सदर थाना क्षेत्र में हुए सतीश झा उर्फ छोटू मिश्रा हत्याकांड का पुलिस ने महज 36 घंटों के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई अवैध हथियार और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार 13 मार्च 2026 को सदर थाना क्षेत्र के मीरा टॉकीज के समीप बाइक सवार अपराधियों ने सतीश झा उर्फ छोटू मिश्रा को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए सूर्या अस्पताल, सहरसा भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता के लिखित आवेदन के आधार पर सदर थाना में कांड संख्या 273/2026, दिनांक 14.03.2026 को धारा 103(1)/61(2)/3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया, जिसमें चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर आलोक कुमार के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण, मानवीय आसूचना संकलन और संभावित ठिकानों पर छापेमारी करते हुए मामले का खुलासा किया। पुलिस ने कांड में शामिल शूटर रोहित कुमार उर्फ मिठु को सुपौल जिले से तथा दूसरे शूटर नवनीत कुमार उर्फ उदय को सदर थाना क्षेत्र के विद्यापति नगर से गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार पिस्टल, एक देशी कट्टा, एक रिवॉल्वर, दो मैगजीन, 7.65 एमएम के आठ जिंदा कारतूस, 9 एमएम के चार जिंदा कारतूस तथा एक चाकू बरामद किया है। बरामद हथियारों और कारतूस के संबंध में सदर थाना में कांड संख्या 278/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सभी हथियारों को बैलिस्टिक जांच के लिए भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित कुमार उर्फ मिठु (हटियागाछी वार्ड-20), नवनीत उर्फ उदय (रसलपुर, बनमा ईटहरी), अभिनव कुमार (विद्यापति नगर), राजा कुमार तिवारी (तिवारी टोला) और सौरव कुमार मिश्रा (मिश्रा टोला, तिवारी टोला) शामिल हैं।

पटना में राज्यपाल बनाने का झांसा देकर 10 लाख ठगा

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के राजीव नगर इलाके में एक महिला से जालसाज ने राज्यपाल बनाने का झांसा देकर 10 लाख रुपये की ठगी कर ली। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता अनीता मिश्रा ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने अपना नाम युवराज प्रताप सिंह बताया था। उसने दावा किया कि उसकी सीधी बातचीत एक बड़े राजनीतिक दल के अध्यक्ष से होती है और वह उन्हें राज्यपाल बनवा सकता है। महिला के अनुसार आरोपी ने यह भी कहा कि वह उनके बेटे को फिल्म इंडस्ट्री में हीरो बना देगा। इसके अलावा उसने शिमला में जमीन, एसके पुरी में मकान और दिल्ली में फ्लैट दिलाने का भी वादा किया। आरोपी ने महिला को भरोसा दिलाने के लिए अशोक और शहनवाज नाम के दो लोगों से फोन पर बात कराई और उनसे एक बड़े नेता से बात कराने को कहा। महिला का दावा है कि उनकी भी एक व्यक्ति से बात कराई गई, जिसकी आवाज उस नेता जैसी लग रही थी। इन सब बातों से प्रभावित होकर महिला ने आरोपी को दो किस्तों में 10 लाख रुपये दे दिए। आरोपी ने यह भी कहा कि उनके राज्यपाल बनने से संबंधित कागजात राष्ट्रपति के पास भेज दिए गए हैं और जल्द ही उस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

सहरसा में मासिक अपराध गोष्ठीः लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और अपराध नियंत्रण पर एसपी ने दिए सख्त निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा में पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में 14 मार्च को पुलिस केंद्र स्थित प्रेक्षागृह में फरवरी माह की मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में सदर और सिमरी बख्तियारपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-01, पुलिस उपाधीक्षक साइबर, अंचल पुलिस निरीक्षक तथा सभी थाना अध्यक्षों सहित पुलिस कार्यालय और पुलिस केंद्र के शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन, अपराध नियंत्रण तथा आगामी ईद-उल-फितर और रामनवमी को लेकर विधि-व्यवस्था बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। अपराध गोष्ठी में CCTNS पर चार्जशीट और फाइनल फॉर्म अपलोड करने की प्रक्रिया में तेजी लाने, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और स्पीडी ट्रायल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी थाना क्षेत्रों में गिरफ्तारी और बरामदगी की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपराध नियंत्रण के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों पर चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने ई-डोजियर तैयार करने, वांछित अपराधियों को इनामी घोषित करने और उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा POCSO, SC/ST एवं आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन को प्राथमिकता देने और अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए डॉग स्क्वॉड और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) के प्रभावी उपयोग पर भी बल दिया गया। बैठक के दौरान महिला आयोग, मानवाधिकार आयोग तथा अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग से संबंधित लंबित परिवादों की समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध और विधिसम्मत निष्पादन का निर्देश दिया गया। जनसंपर्क को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सभी थानाध्यक्षों को पंचायत स्तर पर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने को कहा गया। साथ ही ERSS और जनशिकायतों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

सहरसा में बाल संरक्षण पर प्रमंडल स्तरीय विचार गोष्ठी, बेहतर समन्वय और प्रावधानों के अनुपालन पर दिया गया जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा, 15 मार्च 2026, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार के सौजन्य से बाल संरक्षण के क्षेत्र में पारस्परिक बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से 14 मार्च को स्थानीय प्रेक्षागृह में प्रमंडल स्तरीय विचार गोष्ठी सह संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोशी प्रमंडल के आयुक्त श्री राजेश कुमार (भा.प्र.से.) ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ आयुक्त श्री राजेश कुमार, जिलाधिकारी सहरसा श्री दीपेश कुमार, जिलाधिकारी सुपौल श्री सावन कुमार, जिलाधिकारी मधेपुरा श्री अभिषेक रंजन, पुलिस अधीक्षक सहरसा श्री हिमांशु, पुलिस अधीक्षक सुपौल श्री शरथ आर.एस., पुलिस अधीक्षक मधेपुरा डॉ. संदीप सिंह, उप विकास आयुक्त सहरसा श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत तथा किशोर न्याय परिषद के माननीय न्यायाधीश सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में प्रमंडलीय आयुक्त श्री राजेश कुमार ने कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े प्रावधानों की जानकारी सभी हितधारकों तक पहुंचाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र में बताए गए प्रावधानों को गंभीरता से ग्रहण करने, उनका नियमित अध्ययन करने तथा उनके प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिलाधिकारी सहरसा श्री दीपेश कुमार ने कहा कि बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों की समुचित देखभाल करना तथा उन्हें बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बाल संरक्षण से जुड़े प्रावधानों की जानकारी और उनके क्रियान्वयन को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में सहरसा, मधेपुरा और सुपौल जिलों के जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, तीनों जिलों के सिविल सर्जन, शिक्षा विभाग के अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, श्रम अधीक्षक, अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला खेल पदाधिकारी सहित बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी और हितधारक उपस्थित रहे। इसके अलावा बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय परिषद, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्डलाइन तथा बाल देखरेख संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

पटना में मिला यूपी का लापता राधे श्याम, पुलिस कर रही पूछताछ

एसके पुरी इलाके से मिली लोकेशन, नाबालिग बरामद

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के एसके पूरी इलाके से एक नाबालिग को बरामद किया गया है, जो उतर प्रदेश उरई जालौन का रहने वाला है। युवक का नाम राधे श्याम (15) है। यूपी कंट्रोल रूम से पटना पुलिस को मैसेज आया कि एक नाबालिग को पटना के चैनपुर इलाके में जबरन रखा गया है, जो यूपी के उरई से गुमशुदा है। इसके बाद वरीय अधिकारी सकते में आ गए। संबन्धित एसके पूरी और पास के थानों को यूपी पुलिस के द्वारा बताई गई लोकेशन पर भेजा गया। जहां से युवक को बरामद कर लिया गया है। पुलिस फिलहाल युवक से पूछताछ कर रही है।

नाबालिग दोस्तों के साथ आया था पटनाः युवक ने पुलिस को बताया कि उरई के एक निजी स्कूल में पढाई करता है। 9वीं का छात्र है। पिता करोबारी हैं। सब्जी का करोबार करते हैं। इसी दौरान पटना चैनपुर के रहने वाले दो युवकों के संपर्क में आया। फिर उन्हीं के साथ पटना उनके घर पर चला आया। युवक का आरोप है कि पटना आने के बाद दोनों इसे यहीं रोक लिए। जाने नहीं दे रहे थे। इसके बाद युवक के परिजनों ने डायल 112 पर कॉल कर के मदद की गुहार लगाई।

पहले अपहरण की दी जानकारीः पुलिस की पूछताछ में युवक ने बताया कि, 'उसका अपहरण हुआ है। कट्टा भिड़ाकर पटना लाया गया है, लेकिन जब थाने पर लाकर पूछताछ की गई तो उसने अपना बयान बदल दिया।' उसने बताया कि, 'शनिवार के दिन अपने दो जानने वाले दोस्तों के साथ पटना आया था।

समस्तीपुर, खगड़िया में कुहासा, 22 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विज्ञान ने उत्तर-पूर्वी बिहार के 22 जिलों में बारिश-बिजली गिरने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान इन जिलों में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इधर, समस्तीपुर और खगड़िया में रविवार सुबह हल्का कुहासा छाया है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस सीवान जिले के जीरादेई में दर्ज किया गया। वहीं, 37.3 डिग्री सेल्सियस के साथ कैमूर सबसे गर्म रहा।

राज्य के पश्चिमी और मध्य क्षेत्र में सामान्य रहेगा मौसमः वहीं, राज्य के पश्चिमी और मध्य हिस्सों के जिलों में फिलहाल कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। इनमें गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद और अरवल शामिल हैं। दूसरी तरफ मौसम विभाग के अनुसार उत्तर बिहार के पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज, जबकि पूर्वी बिहार के कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर, बांका और जमुई में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

आगे क्या... अगले तीन से चार दिनों तक तापमान में बढ़ोतरीः मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिनों तक तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि जारी रह सकती है। कई जिलों में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। हालांकि उत्तर बिहार के कुछ हिस्सों में आंशिक बादल छाने और मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है।

सहरसा में गैस वितरण और खाद्यान्न आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। सहरसा समाहरणालय में 14 मार्च को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गैस आपूर्ति एवं खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में संबंधित अधिकारियों और एजेंसी प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिले के सभी गैस एजेंसी संचालकों और उनके प्रतिनिधियों के साथ गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान गैस की कालाबाजारी की रोकथाम को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में गैस की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी एजेंसी के वेंडर या प्रतिनिधि द्वारा कालाबाजारी की शिकायत मिली तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल बंद करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस बैठक में सहरसा जिले की HPCL, BPCL और IOCL से संबंधित सभी गैस एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा अनुमंडल पदाधिकारी सदर सहरसा एवं सिमरी बख्तियारपुर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अपर समाहर्ता तथा उप विकास आयुक्त भी मौजूद थे। इसी क्रम में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें खाद्यान्न के उठाव और वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सभी डीएसडी परिवहन अभिकर्ताओं, सहायक गोदाम प्रबंधकों तथा राज्य खाद्य निगम सहरसा के जिला प्रबंधक को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराने और उसका समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी पाया गया कि खाद्यान्न वितरण में अनियमितता के कारण जिले की रैंकिंग 33वें स्थान से गिरकर 38वें स्थान पर पहुंच गई है, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले की रैंकिंग प्रत्येक माह 4 से 10 के बीच सुनिश्चित की जाए, अन्यथा कार्य में लापरवाही बरतने वाले संबंधित परिवहन अभिकर्ताओं और अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अधिकारियों को खाद्यान्न वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश अधिवक्ता रमाकांत निगम की बहन जयश्री शर्मा का निधन, नम आंखों ने दी जयश्री दीदी को अंतिम बिदाई

लोकतंत्र किस हसन राशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश: शहर के विख्यात साहित्यकार, व्यंग्य शिल्पी एवं अधिवक्ता रमाकांत निगम की बहन एवं राहुल बाग निवासी नरेंद्र शर्मा की धर्मपत्नी सहज सरल सौम्य मृदुभाषी, बहुमुखी प्रतिभा की धनी, अनेकों कला साहित्य संस्कृति समाजसेवी धर्म अध्यात्म संस्थाओं से जुड़ी ,कर्मठ सक्रिय, सेवाभावी, विदुषी श्रीमती जयश्री शर्मा का दुखद निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज निवास राहुल बाग से निकाली गई और नदी पार स्थित मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक सहित परिवार के लोग उपस्थित थे।

गैस सिलेंडर लेने के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य मोबाइल ऐप से घर बैठे कर सकते हैं प्रक्रिया पूरी

लोकतंत्र के शान हसन रसीद जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश: कटनी। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप की जा रही है। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ता गैस एजेंसी में जाकर या संबंधित ऑयल कंपनी के आधिकारिक मोबाइल एप के माध्यम से घर बैठे ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। मोबाइल एप के माध्यम से ई-केवाईसी करने से उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ और असुविधा से बचाया जा सकता है। जिले के सभी गैस उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे प्ले-स्टोर से अपनी गैस कंपनी का एप डाउनलोड कर लें और घर बैठे ई-केवाईसी पूर्ण करें। साथ ही पहचान सत्यापन के लिए UIDAI Face RD App भी इंस्टॉल करना आवश्यक है।

उपभोक्ता अपनी गैस कंपनी के अनुसार निम्न एप का उपयोग कर सकते हैं— HP Pay – एचपीसीएल उपभोक्ताओं के लिए IndianOil One – इंडियन ऑयल उपभोक्ताओं के लिए Hello BPCL – बीपीसीएल उपभोक्ताओं के लिए इन एप के माध्यम से उपभोक्ता ई-केवाईसी के साथ गैस सिलेंडर की बुकिंग भी कर सकते हैं।

गैस एजेंसियों और गोदामों का निरीक्षण-कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में गैस एजेंसियों और उनके गोदामों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री पियूष कुमार शुक्ल और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री यज्ञदत्त त्रिपाठी ने कृषि उपज मंडी के पास पहरूआ स्थित पुरूषोत्तम गैस एजेंसी के गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोदाम परिसर में 10 डिलीवरी वाहनों में 682 घरेलू गैस सिलेंडर तथा गोदाम के अंदर 356 सिलेंडर पाए गए। इस प्रकार कुल 1038 भरे हुए घरेलू गैस सिलेंडर भंडारित पाए गए। इसके अतिरिक्त 19 किलोग्राम के 81 व्यावसायिक सिलेंडर, 5 किलोग्राम के 38 और 2 किलोग्राम के 59 सिलेंडर भी भरे हुए पाए गए। सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री शुक्ला ने बताया कि उपभोक्ताओं को गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा भंडारण व्यवस्था की नियमित निगरानी के लिए ऐसे निरीक्षण लगातार किए जा रहे हैं।

चंपावत में खाई से मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

लोकतंत्र की शान : चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत जिले के दुर्गम क्षेत्र दयुरी गांव में एसडीआरएफ टीम ने रविवार को करीब एक सौ मीटर गहरी खाई से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। एसडीआरएफ के अनुसार पूर्णागिरि ड्यूटी में तैनात टीम को थाना तामली के एसओ की ओर से सूचना दी गई कि दयुरी गांव क्षेत्र में एक अज्ञात शव दिखाई दे रहा है। सूचना मिलने पर उप निरीक्षक दीपक सामंत के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम बूम घाट से घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि शव ब्यूरी गांव से लगभग दो किलोमीटर आगे काली नदी के किनारे सड़क से करीब 100 मीटर नीचे खाई में पड़ा है।एसडीआरएफ टीम ने रोप की सहायता से रैपलिंग कर खाई में उतरकर शव तक पहुंच बनाई। इसके बाद शव को बॉडी बैग में रखकर हार्ड बोर्ड स्ट्रेचर की मदद से सुरक्षित सड़क तक लाया गया। बाद में शव को आवश्यक कार्रवाई के लिए थाना तामली पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवसंवत्सर धर्मयात्रा को लेकर बीकानेर में तैयारियां तेज, विभिन्न समाजों से जुड़ने का आह्वान

लोकतंत्र की शान : बीकानेर। बीकानेर में आगामी 19 मार्च को आयोजित होने वाली नवसंवत्सर धर्मयात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। भारतीय नव वर्ष समारोह समिति के पदाधिकारी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें और जनसंपर्क कर समाज के विभिन्न वर्गों को इस आयोजन से जोड़ने में जुटे हैं। मीडिया सह संयोजक दीपक हर्ष के अनुसार समिति कार्यालय में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रांतीय सह-संयोजक शैलेश गुप्ता, महानगर संयोजक कैलाश भार्गव और कार्यक्रम संयोजक उमेश व्यास मौजूद रहे। बैठक में जेठानंद व्यास ने कहा कि वे इसमें विधायक के रूप में नहीं बल्कि संगठन के पूर्व पदाधिकारी के रूप में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा लगाया गया धर्म का पौधा अब विशाल वृक्ष बन चुका है और इसे और सशक्त बनाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकाधिक जनसंपर्क कर लोगों को धर्मयात्रा में शामिल होने का आह्वान किया। इसी क्रम में गंगाशहर स्थित गुर्जर गौड़ भवन में आयोजित बैठक में समाज के लोगों ने धर्मयात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया। विभाग संचालक टेकचंद बरडिया ने समाजजनों से एमएम ग्राउंड से निकलने वाली धर्मयात्रा में शामिल होने का आग्रह किया।

अपहरणकर्ता के चंगुल से बचाई गई नाबालिग बालिका

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। महिला एवं बाल सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध सीधी पुलिस ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया है। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना जमोड़ी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने न केवल एक नाबालिग बालिका को आरोपी के चंगुल से मुक्त कराया, बल्कि आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचाने में भी कामयाबी हासिल की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामला थाना जमोड़ी अंतर्गत क्षेत्र का है, जहां एक 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को एक युवक द्वारा शादी का झांसा देकर और बहला-फुसलाकर संभ्रमित करते हुए साथ ले जाया गया था। जैसे ही पुलिस को इस घटना की सूचना मिली, थाना प्रभारी

जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में तत्काल विशेष टीमों का गठन किया गया। आरोपी बालिका को जिले से बाहर गुजरात ले जाने की फिराक में था। पुलिस ने अपनी खुफिया तंत्र और तकनीकी विश्लेषण का सहारा लेते हुए आरोपी के हर संभावित ठिकाने पर दबिश दी। पुलिस की बढ़ती दबिश और सक्रिय घेराबंदी के कारण आरोपी स्वयं को चारों ओर से घिरा हुआ महसूस करने लगा। जमोड़ी पुलिस की सक्रियता का ही परिणाम था कि आरोपी बालिका को लेकर कहीं भाग नहीं सका। पुलिस ने नया बस स्टैंड सीधी के पास संदिग्ध गतिविधि देखते हुए योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी की और आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी बालिका को लेकर राज्य से बाहर भागने की अंतिम कोशिश में था, जिसे पुलिस की सतर्कता ने नाकाम कर दिया। बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर उसे परिजनों के सुपुर्द करने की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने में उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी थाना प्रभारी जमोड़ी, उप निरीक्षक वर्षा यादव, प्रधान आरक्षक सुनील बागरी, आरक्षक अंकित सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

फैक्टरी में आग लगने से लाखों का नुकसान

लोकतंत्र की शान

हरिद्वार। बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्टरी में देर रात अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एचपीएम इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड नामक फैक्टरी में पंखों से जुडे उपकरणों का निर्माण किया जाता है। शनिवार की देर रात फैक्टरी परिसर से धुआं और आग की लपटें निकलती देख स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल और पुलिस को दी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में फैक्टरी से उठती लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। रानीपुर पुलिस चौकी की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए कई घंटों की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया। बताया गया कि आग से फैक्टरी परिसर में रखा कच्चा माल, मशीनरी और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया, जिससे कंपनी को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग लगने के समय फैक्टरी में ज्यादा कर्मचारी मौजूद नहीं थे, जिससे किसी जनहानि की सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग की टीमें आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हुई हैं। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

राजस्थान के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

लोकतंत्र की शान

जयपुर। उत्तर भारत में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने 15 मार्च को प्रदेश के 10 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। नए सिस्टम के प्रभाव से शनिवार देर रात जयपुर सहित कई जिलों में हल्की बरसात हुई। मौसम विभाग ने 18 मार्च को फिर से बारिश और कहीं-कहीं ओले गिरने की संभावना जताई है। शनिवार देर रात जयपुर, टोंक, अजमेर और दौसा सहित कई जिलों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में गिरावट हुई और लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली। प्रदेश के अन्य इलाकों में भी धूलभरी हवा और बादलों के कारण मौसम का मिजाज बदला रहा। दिनभर धूप कमजोर रही और हल्की हवा चलने से तापमान में कमी आ गई। शनिवार को कोटा, जोधपुर, जयपुर समेत कई जिलों के अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ गई। प्रदेश के सभी शहरों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार वर्तमान में सक्रिय सिस्टम का असर 15 मार्च तक रहेगा, जिससे प्रदेश में गर्मी से कुछ राहत मिली है। उन्होंने बताया कि 16 और 17 मार्च को मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन 18 मार्च से एक नया सिस्टम सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से प्रदेश में दो दिन तक आंधी-बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पानीपतः सेवानिवृत्त एसआई को हनीट्रैप में फंसाया, महिला गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

पानीपत। पानीपत की तहसील समालखा में एक रिटायर्ड पुलिस सब इंस्पेक्टर को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल किया जा रहा था। आरोपियों ने एसआई की अश्लील वीडियो बनाकर 15 लाख रुपये की मांग की। इस मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार कर उसके पास से एक लाख रुपये बरामद किए हैं। सोनीपत निवासी रिटायर्ड एसआई सुखबीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पुराने मित्र रणबीर ने उन्हें इस जाल में फंसाया। रणबीर ने फरवरी 2026 में उनकी मुलाकात मनीषा नामक महिला से कराई थी, जिसे उसने घरेलू हिंसा की शिकार बताया था। सोची समझी साजिश के तहत 10 मार्च को मनीषा ने सुखबीर सिंह को मदद के बहाने समालखा स्थित अपने घर बुलाया। वहां मनीषा ने उन्हें पीने के लिए पानी दिया। इसको पीते ही सुखबीर का सिर भारी होने लगा। आरोप है कि इसी बेहोशी की हालत में महिला ने उनके साथ संबंध बना लिए और चोरी-छिपे इसका वीडियो भी बना लिया। यह वीडियो उसने अपने साथियों रणबीर और सतबीर को भेज दिया। अगले ही दिन से उसके साथ ब्लैकमेलिंग

के तहत रुपयों की डिमांड शुरू हो गई। आरोपी सतबीर ने सुखबीर की पत्नी को फोन कर वीडियो की जानकारी दी और मामले को दबाने के लिए 8-10 लाख रुपये मांगे। इसके बाद आरोपियों ने सुखबीर के बेटे आशीष को फोन कर रुपयों की मांग को बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दी। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो वे सुखबीर के खिलाफ बलात्कार की झूठी एफआईआर दर्ज करवा देंगे। परेशान होकर पीड़ित सुखबीर सिंह ने पुलिस अधीक्षक पानीपत को लिखित शिकायत दी। पुलिस ने शनिवार को समालखा थाने में संबंधी धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार रविवार को समालखा न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है

नहीं थम रहा चुरहट क्षेत्र से अवैध उत्खनन का करोबार

» राजस्व विभाग की भूमिका पर उठ रहे सवाल
» सरकार को लग रही करोड़ों रुपए की आर्थिक क्षति

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट) । जिले के चुरहट तहसील क्षेत्र अंतर्गत हल्का नकबेल में अवैध खनन का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है, लगातार स्थानीय लोगों द्वारा स्थानीय प्रशासन सहित अन्य जिम्मेदार विभाग के आला अधिकारियों को सूचना दी जा रही है लेकिन माफियाओं की साठगांठ का प्रभाव शिकायत पर असर नहीं डाल रहा है। बता दें कि ग्राम हल्का नकबेल में अवैध मुरूम एवं मिट्टी उत्खनन का करोबार खनन माफियाओं द्वारा इस तरह किया गया है कि तहसील कार्यालय से लगीं पहाड़ी को समतल कर दिया गया और तहसील परिसर में मौजूद अमला गांधारी की तरह आंख में पट्टी बांध कर मौन बना हुआ है। सूत्र बताते हैं कि जिस पहाड़ी से मुरूम एवं मिट्टी उत्खनन का कार्य किया गया है, अगर इसकी अनुमति खनिज विभाग से ली गई होती तो सरकार को लाखों रुपए का राजस्व मिलता। लेकिन यहां बैठे विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने भूमि स्वामी एवं खनन माफिया से सांठगांठ कर सरकार को लाखों रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि चुरहट तहसील क्षेत्र अंतर्गत

विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से खनन किए जाने का मामला गत वर्ष भी सुर्खियों में रहा है, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने शिकायत पर खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग को कार्यवाही के लिए निर्देश दिया था जिसके बाद खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया था, लेकिन उसके बाद अब फिर एक बार चुरहट क्षेत्र में खनन माफिया सक्रिय हो गए हैं। बता दें कि जिले के चुरहट तहसील परिसर स्थित पहाड़ी में लंबे समय से अवैध मुरूम निकासी का कार्य किया जा रहा है। यह पहाड़ी क्षेत्र धीरे धीरे समतलीकरण की ओर जा रहा है। हैरानी की बात यह है जिस जगह से अवैध मुरूम उत्खनन एवं परिवहन का कार्य किया जा रहा है वहां एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार का कार्यालय हैं जहां इनका लगभग सात से आठ घंटे का समय बीतता है और तो और उनके आवास आने जानें का मार्ग भी यहीं हैं लेकिन किसी की नजर इस अवैध उत्खनन पर नहीं जा रही है। खण्ड अधिकारियों की चुप्पी पर भी तरह तरह के सवाल खड़े हो रहें हैं।

धडल्ले से जारी है उत्खनन

चुरहट तहसील के बगल में अवैध मुरूम निकासी का कारोबार फिर धड़ल्ले से शुरू हो गया है ऐसा नही है कि इस अवैध खनन की जानकारी खंड स्तरीय अमले व पुलिस के पास नही है। लेकिन किसी के द्वारा इस ओर नजर नही दौड़ाई जा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो गत वर्ष अवैध उत्खनन की शिकायत पर जांच करने पहुंची टीम के बाद कुछ दिनो के लिए उत्खनन का कार्य बंद हो गया था लेकिन जांच प्रक्रिया जैसे ही थमी हुई उत्खनन का कार्य शुरू हो गया है। लोगों की माने तो यह क्षेत्र जहां तहसील कार्यालय के बगल से लगा हुआ है जहां प्रतिदिन एसडीएम, तहसीलदार,नायब तहसीलदार सहित राजस्व अमले का आना जाना बना रहता है वहीं पुलिस की टीम भी आती-जाती देखी जा रही है। लेकिन किसी के द्वारा इस अवैध उत्खनन पर रोंक लगाने की हिम्मत नही जुटाई जा रही है।

इनका कहना है। तत्संबंध में जो आवश्यक जानकारी आपके पास हो भेज दीजिए, मैं टीम भेज कर जांच करवाता हूं, अगर अवैध उत्खनन किया गया है तो दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। कपिलमुनि शुक्ला जिला खनिज अधिकारी सीधी।

यमुनानगरःतेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत, काम से लौटते समय हुआ हादसा

लोकतंत्र की शान

यमुनानगर। यमुनानगर के जठलाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम तेज रफ्तार कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब दोनों मजदूरी का काम समाप्त कर घर लौट रहे थे। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान विक्रम निवासी गांव जयपुर के रूप में हुई है। वह अपने गांव के ही जोगिन्द्र के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव पांसरा में मजदूरी करने गया था। देर शाम दोनों काम खत्म कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। जब वे गांव से कुछ दूरी पहले स्थित गूगा माड़ी के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आई एक कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित सड़क से नीचे खेत में जा गिरे और बाइक भी पलट गई। घटना के समय विक्रम मोटरसाइकिल चला रहा था। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक के पिता मांगा राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेतों में मजदूरी कर घर लौट रहा था। इसी दौरान उसने सड़क पर हुए हादसे को देखा और तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को संभाला। कार चालक टक्कर मारने के बाद कुछ देर घटनास्थल पर रुका, लेकिन बाद में वाहन सहित फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद राहगीरों की मदद से घायलों को एक निजी वाहन से उपचार के लिए सिविल अस्पताल यमुनानगर ले जाया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'विकसित राजस्थान रन' को दिखाई हरी झंडी

लोकतंत्र की शान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नियमित दौड़ लगाना स्वस्थ जीवन का मूल मंत्र है। दिन की शुरुआत दौड़ के साथ करने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है, स्वास्थ्य ठीक रहता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए फिट इंडिया अभियान ने देशवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है। शर्मा ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें, जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे, तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री शर्मा राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को जयपुर में अमर जवान ज्योति से 'विकसित राजस्थान रन-2026' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर में आयोजित 'विकसित राजस्थान रन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले वर्ष से राजस्थान दिवस को तिथि अनुसार मनाने की नई परंपरा शुरू की है। 30 मार्च 1949 को तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन रेवती नक्षत्र इन्द्र योग में विभिन्न रियासतों को एकत्रित कर वृहद राजस्थान की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि गृह नक्षत्र देखकर नए कार्य की शुरुआत करना हमारी संस्कृति में है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष 19 मार्च (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को राजस्थान दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' विजन के अनुरूप प्रदेश सरकार 'विकसित राजस्थान-2047' के विजन पर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान के व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने आह्वान किया कि सभी पात्र लोग योजनाओं का लाभ लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है। युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिले और युवा रोजगार प्रदाता भी बनें। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप अपने सपनों की उड़ान के लिए तैयार रहिए, राज्य सरकार आपके सपनों को साकार करने में हरसंभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को सरकारी क्षेत्र में 4 लाख एवं निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है।

पंचायतों के ई भुगतान में लाखों का घोटाला उजागर

» सगे संबंधियों को वेंडर बनाकर किया जा रहा भुगतान,
» मामला मझौली जनपद के ग्राम पंचायत गंजरी एवं खड़ौरा का

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत ग्राम पंचायत गंजरी एवं खड़ौरा में ई भुगतान के जरिए किए गए भुगतान में लाखों का घोटाला उजागर हुआ है। प्राप्त तथ्यों के मुताबिक ग्राम पंचायत गजरी में ई भुगतान क्रमांक 3634 059 दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को 655538 रुपए 18 बिल संख्या के माध्यम भुगतान किया गया है जिसमें भुगतान की गई राशि में काफी अंतर है क्योंकि सात बिलों की कुल भुगतान राशि 249789 रुपए है ऐसे में 405749 रुपए का हिसाब बिल भुगतान में नहीं है जिस कारण इस राशि को गोलमाल किया जाना साबित हो रहा है।इतना ही नहीं ग्रामीणों के मुताबिक ग्राम पंचायत के सरपंच के सगे संबंधी के नाम से श्री सांई राम ट्रेडर्स गंजरी को वेंडर बनाया गया है एवं उक्त फर्म के नाम पर 10 लाख से ज्यादा का भुगतान किया

गया है। दिनांक 10 जून 2025 को एक लाख रुपए का भुगतान उक्त फर्म के नाम पर किया गया है जिसमें 30 हजार रुपए रेत का भुगतान किया गया है ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या उस फर्म को रेत बिक्री करने का लाइसेंस प्राप्त है। वहीं 15 मई 2025 को 99750 रु इसी फर्म के नाम से भुगतान किया गया लेकिन बिल फीड नहीं किया गया है जिससे यह साबित नहीं हो रहा है कि यह राशि किस सामग्री के लिए भुगतान की गई है। ग्राम पंचायत खड़ौरा में ई भुगतान क्रमांक 3790 252 दिनांक 1 मार्च 2026 में बिलों की संख्या 7 के माध्यम से 510300 रु भुगतान किया गया है जिसमें कुल भुगतान राशि 380300 है जबकि 130000 रुपए कहां चले गए जिसका हिसाब नहीं है। इतना ही नहीं इस ई पी ओ में सचिव अनिल गुप्ता के द्वारा अपने सगे संबंधियों को भुगतान किया गया है लेकिन किस सामग्री के लिए भुगतान किया गया है यह बिल फीड नहीं है।ग्राम पंचायत के द्वारा यस टेडर्स डांगा के नाम से 10 लाख से ज्यादा का भुगतान किया गया है लेकिन जो बिल फीड किए गए हैं उन्हें साजिश के तहत धुंधले कर फीड किया गया है जिससे यह स्पष्ट नहीं होता है कि भुगतान की गई राशि किस सामग्री के लिए की है।रेत के लिए भी भुगतान किया गया है क्या वह फर्म रेत बिक्री के लिए अधिकृत है यह बड़ा सवाल है।मामले को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझौली से मोबाइल पर संपर्क किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इनका कहना हैं। बिल सही फीड किए गए हैं कहीं तकनीकी गड़बड़ी होगी इसलिए हिसाब बराबर नहीं आ रहा है। टी पी के माध्यम से फर्म के द्वारा रेत दिया जाता है।रेत बिक्री के लिए अधिकृत है या नहीं यह फर्म मलिक ही जानेंगे हमें जानकारी नहीं है। हरिहर प्रसाद विश्वकर्मा, सचिव गंजरी। सरपंच के आदेश पर मेरे द्वारा भुगतान किया जाता है सारी जानकारी और जिम्मेदारी ग्राम पंचायत के सरपंच के पास है मैं उनके आदेश का पालन करता हूं। अनिल गुप्ता, सचिव ग्राम पंचायत खड़ौरा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में 30% तक कटौती, नई गाड़ी खरीदने पर भी रोक

नई दिल्ली। पाकिस्तान में बढ़ते फ्यूल संकट के बीच सरकार ने खर्च कम करने के लिए कई बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि सरकारी कंपनियों और सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थानों के कर्मचारियों की सैलरी में 5% से 30% तक कटौती की जाएगी। सरकार का कहना है कि इन कदमों से जो पैसा बचेगा, उसे लोगों को राहत देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि अगले दो महीनों तक सरकारी गाड़ियों के लिए फ्यूल का इस्तेमाल 50% तक कम किया जाएगा और करीब 60% सरकारी वाहनों को सड़कों से हटा दिया जाएगा। इसके अलावा नई सरकारी गाड़ियां खरीदने पर रोक लगा दी गई है। मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के विदेशी दौरों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है और सरकारी मीटिंग में मिलने वाली फीस भी खत्म करने का फैसला किया गया है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ने के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत करीब 55 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ गई है। इसी वजह से सरकार फ्यूल की खपत कम करने और आर्थिक दबाव घटाने के लिए ये कदम उठा रही है।

नेपाल में अंतरिम सरकार के गृहमंत्री को संसद के उच्च सदन में सदस्य नामित किया गया

काठमांडू। अंतरिम सरकार के गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल को संसद के उच्च सदन में सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय सभा में सरकार की सिफारिश पर बनने वाले संसद सदस्य का पद रिक्त होने के कारण वर्तमान गृहमंत्री को इसके लिए नामित किया गया है। इसके लिए गृहमंत्री अर्याल ने प्रधानमंत्री कार्की के प्रति आभार व्यक्त किया। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में रविवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक ने अर्याल को उच्च सदन में मनोनयन के लिए राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल के समक्ष सिफारिश करने का निर्णय लिया गया। नेपाल में जेन जी प्रदर्शन के बाद बनी अंतरिम सरकार में प्रधानमंत्री सुशीला

कार्की ने अर्याल को गृहमंत्री के रूप में नियुक्त किया था। इससे पहले अर्याल काठमांडू के मेयर रहे बालेन्द्र शाह के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य कर चुके हैं। इससे पहले वित्त मंत्री रामेश्वर खनाल को राष्ट्रीय सभा में नियुक्त करने को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्की ने हाल ही में हुए चुनाव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में आर्याल की भूमिका को देखते हुए उन्हें ही सिफारिश करने का निर्णय लिया। आर्याल को मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री के करीबी और भरोसेमंद सहयोगियों में से एक माना जाता है। एक समय बालेन्द्र शाह के करीबी समर्थकों और जेन जी प्रदर्शन के बाद चर्चा में आए सुदन गुरूंग सहित ने उन्हें हटाने की मांग भी उठाई थी, लेकिन प्रधानमंत्री कार्की ने उनका बचाव किया था।

यूक्रेन का क्रीमिया में रूसी एस-400 लॉन्चर और रडार सिस्टम को निशाना बनाने का दावा

कीव/क्रीमिया। यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं ने अस्थायी रूप से कब्ज़े वाले क्रीमिया में रूसी वायु रक्षा नेटवर्क पर हमला किया है। लिबनेखतिव्का और डालने क्षेत्रों में किए गए इस हमले में एस-400 "ट्रायम्फ" हवाई रक्षा प्रणाली के लॉन्चर और महत्वपूर्ण रडार स्टेशनों को निशाना बनाया गया, जिससे क्रीमिया में रूस की हवाई सुरक्षा क्षमताओं को गंभीर क्षति पहुंची है। यूक्रेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी यूक्रिनफॉर्म व स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं ने आज रात क्रिमिया प्रायद्वीप में रूसी वायु रक्षा संपत्तियों के खिलाफ महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के अनुसार, इस अभियान का लक्ष्य रूस की हवाई क्षेत्र नियंत्रण क्षमता और काला सागर के ऊपर उसके वायु रक्षा नेटवर्क को कमजोर करना था। यूक्रेनी बलों ने लिबनेखतिव्का क्षेत्र में रूसी सेना के दो प्रमुख रडार सिस्टम- 59एन6-ई "प्रोटिवनिक" और 73E6 "पैरोल" को निशाना बनाया, जो लंबी दूरी पर हवाई लक्ष्य पहचान और ट्रैकिंग के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। साथ ही डलने के पास एक एस-400 "ट्रायम्फ" एयर डिफेंस सिस्टम के लॉन्चर पर भी हमला हुआ, जिससे वह सिस्टम अस्थायी रूप से निष्क्रिय हो गया। इस एस-400 प्रणाली को रूस की सबसे उन्नत मध्यम और लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली माना जाता है। यूक्रेन की सेना ने दावा किया कि हमले में एस-400 के एक लॉन्चर को गंभीर क्षति हुई है और माना जा रहा है कि प्रणाली के लॉन्च कंट्रोल और ट्रैकिंग क्षमता पर भी प्रभाव पड़ा है।

मणिपुर में 60 किलो विस्फोटक संग भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल। सुरक्षा बल मणिपुर में तलाशी अभियान चलाते हुए अवैध हथियारों की बरामदी के साथ ही राज्य के संवेदनशील इलाकों में वाहनों की सुरक्षित आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं। इसी कड़ी में चुराचांदपुर जिले से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को चुराचांदपुर जिला के हेंगलेप थानांतर्गत ओल्ड नबिल, थांगजिंग टॉप के पूर्व इलाके में अभियान चलाते हुए एक देसी रॉकेट, लगभग 7 फुट लंबा और जिसमें लगभग 60 किलोग्राम विस्फोटक था, एक देसी सिंगल बैरल बंदूक, सात 7.62 एमएम के खाली कारतूस, चार मैगज़ीन, एक मोर्टार बम और एक देसी मोर्टार/पंपी बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि सुरक्षा बल ज़िलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने का काम लगातार कर रहे हैं। मणिपुर के अलग-अलग ज़िलों में, पहाड़ों और घाटियों, दोनों जगहों पर शनिवार को कुल 115 नाके एवं चेक पॉइंट लगाए गए थे, लेकिन किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया। इसी तरह सुरक्षा बलों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर ज़रूरी सामान ले जा रहे 271 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं और वाहनों की सुरक्षित और बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील रास्तों पर सुरक्षा काफिला मुहैया कराया गया है।

रायपुर : भाजपा सदैव मूल्य आधारित राजनीति करती है : अशोक बजाज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक सिद्धांतवादी राजनीतिक दल है और सदैव मूल्य आधारित राजनीति को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानव दर्शन की विचारधारा को आत्मसात किया है, जिसकी जड़ें भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति में निहित हैं। यह विचारधारा आधुनिकता, विज्ञान, तकनीक और लोकतंत्र के साथ समन्वय स्थापित करती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत मंदिर हसौद मंडल का दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग कौशल्या माता मंदिर के समीप स्थित कायस्थ भवन, चंदखुरी में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में दूसरे दिन आज रविवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्य पद्धति और कार्यकर्ताओं की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी । प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अशोक बजाज के साथ संतोष शुक्ला, संचित तिवारी, अरविंद ठाकुर तथा राजेश साहू ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने भाजपा की संगठनात्मक रीति-नीति, कार्य प्रणाली और समाज में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः शोभाराम यादव, प्रतीक बैस, अशोक बंजारे, कुलेश्वर बैस तथा के. आर. साहू ने की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गोपाल वर्मा, ललिता कृष्णा वर्मा, अभिनेष बॉबी कश्यप सहित मंडल के पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी, 7 लोगों की मौत, 7 घायल

एजेंसी, काठमांडू

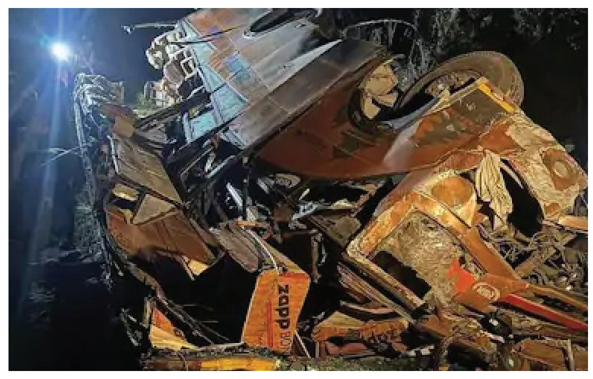

♦ मनाकामना मंदिर से दर्शन कर लौटते समय हादसा

नेपाल के गंडकी प्रांत के गोरखा जिले में शनिवार रात भारतीय तीर्थयात्रियों से भरी एक बस खाई में गिर गई। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घायल हैं। यात्री मनाकामना मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक माइक्रोबस मनकामना मंदिर से लौट रही थी, तभी सड़क से फिसलकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में घायल 7 यात्रियों को भरतपुर स्थित चितवन मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार बस में एक दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। प्रशासन के अनुसार बस मनाकामना मंदिर से तनहुन जिले के अंबुखैरेनी इलाके की ओर जा रही थी। घटना के बाद देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। पुलिस ने बताया कि हादसे की दूसरे वजहों की भी जांच की जा रही है।

हादसे में बस का ड्राइवर सुरक्षित, सहायक घायलः गोरखा जिला ट्रैफिक पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज अर्याल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। सभी भारतीय नागरिक थे। जिला पुलिस प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार मृतकों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामालिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलरसी (60) के रूप में हुई है। हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, इलेक्ट्रिक बस का ड्राइवर सुरक्षित बच गया, जबकि उसका सहायक इस हादसे में घायल हुआ है।

सड़क दुर्घटनाओं से नेपाल में नुकसान तीन गुना बढ़ाः विश्व बैंक की एक स्टडी के मुताबिक नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान 2007 के बाद तीन गुना बढ़ चुका है और अब यह देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का लगभग 1.5% है। विश्व बैंक के अनुसार नेपाल में सड़क हादसों में मरने वालों में 70% से ज्यादा पैदल यात्री, साइकिल सवार और मोटरसाइकिल चालक जैसे संवेदनशील रोड यूजर होते हैं।

बस के खाई में गिरने से 19 लोगों की मौत हो गई थीः इससे पहले नेपाल के धादिंग जिले में 23 फरवरी को एक पर्यटक बस 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई थी। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए थे। बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी और उसमें 44 लोग सवार थे। मृतकों में 24 साल का ब्रिटिश नागरिक, 40 साल की चीनी महिला और 32 साल का भारतीय पुरुष भी शामिल हैं। नेपाल में पहाड़ी इलाकों में संकरी सड़कें और खराब सड़क रखरखाव के कारण सड़क दुर्घटनाएं आम हैं।

नेपाल में हादसे ज्यादा होने के 5 बड़े कारण हैंः पहाड़ी भूगोल होना नेपाल का ज्यादातर हिस्सा पहाड़ी और दुर्गम है। सड़कों के किनारे गहरी खाइयां और ढलान होती हैं। थोड़ी सी गलती या खराब मौसम में वाहन आसानी से सड़क से फिसल सकते हैं, इसलिए सड़क हादसे ज्यादा होते हैं। खराब और संकरी सड़कें नेपाल के कई इलाकों में सड़कें संकरी, घुमावदार और ठीक से विकसित नहीं हैं। कई जगह सुरक्षा दीवारें या रेलिंग भी नहीं होतीं। इससे बस या कार के गिरने का खतरा बढ़ जाता है। मौसम और प्राकृतिक आपदाएं नेपाल में मानसून के दौरान भारी बारिश होती है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं बढ़ जाती हैं। पहाड़ों में मिट्टी खिसकने से सड़कें टूट जाती हैं और वाहन हादसे का शिकार हो जाते हैं।

भूकंप और भूगर्भीय गतिविधि नेपाल भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में आता है। जमीन की अस्थिरता और पहाड़ी ढलान भी हादसों की संभावना बढ़ाती है। परिवहन व्यवस्था की सीमाएं कई बार गाड़ियां ओवरलोड होती हैं, वाहन पुराने होते हैं या ड्राइवरों को कठिन पहाड़ी रास्तों पर पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं होता। इससे दुर्घटनाओं का जोखिम और बढ़ जाता है। सरल शब्दों में कहें तो नेपाल में पहाड़, खराब सड़कें, भारी बारिश और कमजोर बुनियादी ढांचा मिलकर हादसों की संख्या बढ़ा देते हैं।

केसीपी के इशारे पर स्टाफ नर्सों से उगाही के आरोप में चार गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने उग्रवादी संगठन केसीपी के इशारे पर उगाही की गतिविधियों में लिप्त चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस चारों से सघन पूछताछ कर रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में बताया कि जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस), मणिपुर के कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ़ नर्सों से पैसे वसूलने के मामले में पोरोमपत पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी की जांच के बाद, मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को इंफाल पश्चिम ज़िले में स्थित अपराधियों के घरों से चार लोगों को गिरफ़्तार किया।

गिरफ्तार अपराधियों की पहचान खोइसनाम रोजर (29), खोइसनाम बायरन (23), सिनम उमाकांत सिंह (43) और आरके हेरामोट सिंह (45) के रूप में की गयी है। अपराधियों के पास से 39 लाख की नकद राशि, छह मोबाइल फ़ोन और एक पिस्तौल बरामद किया गया है।

पुलिस कि पूछताछ में गिरफ़्तार लोगों ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के इशारे पर यह अपराध किया। उन्होंने जेएनआईएमएस के कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ से पैसे वसूले और उन्हें उस भूमिगत संगठन को भेज दिया।

ईरान का इजराइल पर बैलेस्टिक मिसाइल से हमला

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। ईरान ने रविवार को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल के टुकड़े गिरने से उस इमारत को नुकसान पहुंचा है, जहां अमेरिकी डिप्लोमेट काम करते हैं। हालांकि रिपोर्ट्स में ये नहीं बताया गया कि यह इमारत किस शहर में है। इजराइल में अमेरिका का दूतावास यरुशलम में है और राजधानी तेल अवीव में भी उसका एक बड़ा दफ्तर है। वहीं ईरान के खार्ग आइलैंड पर अमेरिकी हमले के बाद भी तेल टैंकरों में ऑयल लोडिंग का काम जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक वहां 5 टैंकर पहले ही फ्यूल ऑयल भर चुके हैं और 2 टैंकर अभी तेल लोड होने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ये टैंकर किस देश या कंपनी के हैं।

ईरान बोला- सुप्रीम लीडर मुजतबा पूरी तरह ठीकः ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने भी कहा था कि मुजतबा घायल हो गए हैं। हालांकि अराघची ने इन दावों को खारिज कर दिया है।

अमेरिका ने कर्मचारियों को ओमान छोड़ने का दिया आदेश

एजेंसी, इस्तांबुल

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के दौरान सुरक्षा खतरों को देखते हुए अमेरिका ने ओमान में तैनात अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। साथ ही अमेरिकी नागरिकों को ओमान और यमन सीमा क्षेत्र की यात्रा से बचने की चेतावनी भी जारी की गई है। अमेरिका का कहना है कि क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमलों का खतरा लगातार बना हुआ है, जिससे हालात बेहद संवेदनशील हो गए हैं। तुर्किए की सरकार समाचार एजेंसी अनाडोलू (एए) के अनुसार, अमेरिका ने सुरक्षा कारणों और पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच ओमान में तैनात अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को यह निर्देश जारी करते हुए अपने

नागरिकों से भी ओमान और यमन सीमा क्षेत्र की यात्रा पर पुनर्विचार करने की अपील की है।

अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स के जरिए जल्द से जल्द ओमान छोड़ दें। सहायता के लिए नागरिकों को विदेश विभाग की वेबसाइट पर जाकर 'क्राइसिस इंटेक फॉर्म' भरने को कहा गया है। जो लोग ओमान में ही रहना चाहते हैं, उन्हें पर्याप्त भोजन, पानी और दवाइयां जमा कर सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। ताजा अपडेट के लिए अमेरिकी विदेश विभाग ने एक व्हाट्सएप चैनल भी शुरू किया है।

अमेरिका ने पूरे ओमान के लिए लेवल-3 (यात्रा पर पुनर्विचार करें) की चेतावनी जारी की है, जबकि यमन सीमा से सटे इलाकों के लिए लेवल-4 (यात्रा न करें) अलर्ट जारी किया गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के कांसुलर मामलों के ब्यूरो के अनुसार, क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता और संभावित सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। बयान में कहा गया है कि 28 फरवरी को ईरान के बीच शुरू हुए सैन्य टकराव के बाद से ड्रोन और मिसाइल हमलों का खतरा लगातार बना हुआ है, जिससे वाणिज्यिक उड़ानों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी असर पड़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमलों के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। इन हमलों में लगभग 1300 लोगों की मौत होने की बात कही गई है, जिनमें ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई भी शामिल हैं। इन हमलों के जवाब में ईरान ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के जरिए इजराइल, जॉर्डन, इराक और खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से कई जगहों पर जानमाल का नुकसान हुआ है और नागरिक बुनियादी ढांचे को भी क्षति पहुंची है।

15 सौ करोड़ के घोटाले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

एजेंसी, सूरत

गुजरात के सूरत साइबर क्राइम सेल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे ट्रेडिंग फ्रॉड रैकेट के मुख्य आरोपित अल्पेश वघासिया को सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित शेयर ट्रेडिंग और करेंसी ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी कर दुबई में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। ट्रेडिंग फ्रॉड रैकेट का मुख्य आरोपित अल्पेश वघासिया के बारे में एक चौंकाने वाली बात सामने आयी है कि अल्पेश सिर्फ 9वीं कक्षा तक पढ़ा है, लेकिन उसने करीब 1500 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन वाला साइबर नेटवर्क खड़ा कर दिया।

दुबई से भारत लौटते ही गिरफ्तारीः अल्पेश वघासिया लंबे समय से दुबई में रहकर अपने ठगी के नेटवर्क को चला रहा था। हालांकि वहां की बिगड़ती परिस्थितियों और युद्ध जैसी स्थिति

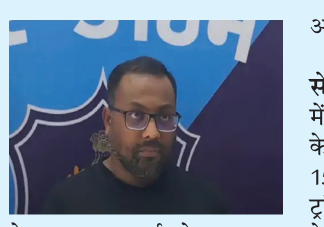

के कारण वह दुबई छोड़कर भारत लौटना चाहता था। अंग्रेजी न आने के कारण उसे विदेश में रहने में भी परेशानी हो रही थी। जैसे ही वह भारत लौटने की कोशिश में सूरत एयरपोर्ट पहुंचा, पहले से जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर साइबर क्राइम टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को चकमा देने के लिए उसने तीन बार सूरत की फ्लाइट बुक की थी, लेकिन वे रद्द हो गईं। बाद में वह पहले बैंकॉक गया और वहां से अलग-अलग रूट से होते हुए सूरत पहुंचा, जहां उसे पकड़ लिया गया। आरोपित मूल रूप से राजकोट जिले के गोंडल का निवासी है और सूरत के वेलंजा इलाके में एक आलीशान बंगले में रहता था।

बैंक खातों में 1500 करोड़ से ज्यादा का लेन-देनः जांच में सामने आया कि इस गिरोह के विभिन्न बैंक खातों में करीब 15,36,30,08,975 रुपये के ट्रांजेक्शन हुए हैं। इतनी बड़ी रकम देखकर जांच अधिकारी भी हैरान रह गए। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह पैसा कहां से आया और किन-किन लोगों तक पहुंचा। आरोपितों ने सूरत के उत्राण और राजकोट में आलीशान ऑफिस खोल रखे थे। यहां आइवी ट्रेड और स्काई ग्रोथ वेल्थ मैनेजमेंट नाम से मल्टी लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) स्कीम चलाई जाती थी। बिना किसी वैध लाइसेंस के लोगों को करेंसी और शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफे का लालच दिया जाता था। निवेशकों का पैसा आंगड़िया और शेल कंपनियों के बैंक खातों के जरिए दुबई भेजा जाता था।

35 निवेशकों से 4.26 करोड़ की ठगीः अब तक की जांच में 35 निवेशक सामने आए हैं, जिनसे कुल 4 करोड़ 26 लाख 86 हजार 550 रुपये की ठगी की गई है। पुलिस को आशंका है कि पीड़ितों की संख्या और बढ़ सकती है। आरोपियों ने हांटेक मार्केट्स जैसी ऑनलाइन एप के जरिए लोगों को यह दिखाया कि उनका ट्रेडिंग चल रहा है, जबकि यह सिर्फ एक डिजिटल छलावा था। इस पूरे मामले में डीसीपी बिशाखा जैन ने बताया कि इस केस में सूरत साइबर क्राइम ने पहले ही डेनीश उर्फ हेमल धानक, जयसुख पटोलिया, यश पटोलिया और अजय उर्फ गोपाल भिंडी को गिरफ्तार कर लिया था। ये सभी साथी सूरत और राजकोट में ऑफिस संभालते थे और अल्पेश को सभी वित्तीय रिपोर्ट भेजते थे। इन चारों आरोपितों की पूछताछ के दौरान ही पुलिस को अल्पेश वघासिया के दुबई कनेक्शन और निवेश से जुड़े मनी ट्रेल की जानकारी मिली थी।

11 हार्डकोर माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी, भुवनेश्वर

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान में ओडिशा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कालाहांडी जिला मुख्यालय भवानीपटना की रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित विशेष कार्यक्रम में 11 हार्डकोर माओवादियों ने पुलिस महानिदेशक वाई बी खुरानिया के सामने हथियार डाल दिए। आत्मसमर्पण करने वालों में नकुल नामक माओवादी भी शामिल है, जो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की ओडिशा राज्य समिति का डिविजनल कमेटी सदस्य था और जिस पर 22 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले समूह में एक डिविजनल कमेटी सदस्य, पांच एरिया कमेटी सदस्य और पांच पार्टी सदस्य शामिल हैं। इन सभी पर कुल मिलाकर 63.25 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

माओवादी विचारधारा कमजोर पड़ रही : डीजीपी

डीजीपी ने कहा कि आत्मसमर्पण के साथ इन माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।यह आत्मसमर्पण क्षेत्र में माओवादी विचारधारा के कमजोर पड़ने का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विशेष अभियान चला रही सुरक्षा एजेंसियों—स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जिला स्वयंसेवी बल, सीआरपीएफ और बीएसएफ को दिया।

इजराइल ने अमेरिका से कहा, उसके पास 'बहुत कम' बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर बचे

एजेंसी, तेल अवीव/वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के बीच इजराइल की मिसाइल रक्षा क्षमता पर दबाव बढ़ता दिख रहा है। ईरान की तरफ लगातार हो रहे हमलों के कारण इजराइल के पास बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी होने लगी है। बताया जा रहा है कि इजराइल ने इस स्थिति को लेकर अमेरिका को आगाह किया है, जबकि वॉशिंगटन का कहना है कि उसके अपने भंडार फिलहाल पर्याप्त हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका अपने इंटरसेप्टर इजराइल को बेचेगा या साझा करेगा। समाचार समूह टाइम्स ऑफ इजराइल ने अमेरिकी समाचार वेबसाइट सेमाफोर के हवाले से बताया है कि पश्चिम एशिया में बीते 15 दिनों से जारी संघर्ष के बीच इजराइल को अपनी मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए जरूरी बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इजराइल ने इस हफ्ते अमेरिका को जानकारी दी है कि लगातार हो रहे हमलों के कारण उसके इंटरसेप्टर का भंडार तेजी से घट रहा है।

वहीं, रिपोर्ट में कहा गया है कि, अमेरिकी अधिकारियों को पहले से पता था कि इजराइल पहले से ही सीमित इंटरसेप्टर स्टॉक के साथ इस संघर्ष में उतरा था। पिछले साल गर्मियों में ईरान के साथ हुई झड़पों के दौरान बड़ी संख्या में इंटरसेप्टर इस्तेमाल हो चुके थे, जिससे उसकी लंबी दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली पर पहले से दबाव था। मौजूदा संघर्ष के

दौरान ईरान के लगातार हमलों ने इस दबाव को और बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान अब अपनी कुछ मिसाइलों में क्लस्टर गोला-बारूद भी जोड़ रहा है। इससे मिसाइलों को रोकने के लिए ज्यादा इंटरसेप्टर की जरूरत पड़ सकती है और इज़राइल की एयर डिफेंस प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है।

एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि वॉशिंगटन को महीनों से इजराइल की सीमित इंटरसेप्टर क्षमता के बारे में जानकारी थी और यह स्थिति पहले से अनुमानित थी। हालांकि अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका को अपने इंटरसेप्टर भंडार की ऐसी कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा है और उसके पास अपने ठिकानों, कर्मियों और हितों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका अपने इंटरसेप्टर इजराइल को बेचेगा या साझा करेगा। ऐसा करने से अमेरिका के घरेलू भंडार पर भी दबाव पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल के पास ईरानी मिसाइलों से बचाव के लिए अन्य विकल्प भी हैं, जिनमें लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल शामिल है। हालांकि लंबी दूरी की मिसाइलों को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सबसे प्रभावी रक्षा प्रणाली माने जाते हैं। वहीं, इज़राइल की प्रसिद्ध आयरन डोम प्रणाली मुख्य रूप से कम दूरी के रॉकेट और ड्रोन हमलों को रोकने के लिए बनाई गई है। इस बीच अमेरिका ने भी अपनी मिसाइल रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं।

पेंटागन ने टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थाड) मिसाइल रक्षा प्रणाली के उत्पादन को बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू की है। अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका के पास अभी भी पर्याप्त थाड सिस्टम, लड़ाकू विमान और मध्यम-स्तर के इंटरसेप्टर मौजूद हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि ईरान के खिलाफ अपने सैन्य लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अमेरिका के पास पर्याप्त हथियार और संसाधन हैं। वहीं, इजराइल अपनी इंटरसेप्टर कमी को दूर करने के लिए संभावित समाधान तलाश रहा है।

पांच राज्यों में चुनावी बिगुल- चुनाव का पर्वःहम सबका गर्व- क्षेत्रीय दल बनाम राष्ट्रीय दलः सियासी संघर्ष- भारतीय लोकतंत्र के महाकुंभ का व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

» चुनावी महाकुंभ- दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र जब चुनावी प्रक्रिया से गुजरता है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों की शक्ति का प्रतीक बन जाता है।

» पांच राज्यों के चुनावों के नतीजे केवल इन राज्यों की सरकारों को तय नहीं करेंगे बल्कि आने वाले वर्षों में भारत की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा को भी प्रभावित कर सकते हैं -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में एक बार फिर चुनावी महापर्व का शंखनाद हो चुका है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत यही है कि सत्ता का निर्धारण जनता के मत से होता है और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। इसी कड़ी में भारतीय चुनाव आयोग ने पांच महत्वपूर्ण राज्यों पश्चिम बंगाल तमिलनाडु,असम केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा चुनाव तिथियों की घोषणा कर दी है। इन चुनावों को केवल पांच राज्यों की सत्ता की लड़ाई के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय राजनीति,भविष्य की रणनीति और लोकतांत्रिक परिपक्वता का एक बड़ा संकेतक भी साबित होने जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनावी कार्यक्रम का विस्तृत ब्यौरा जारी किया गया, जिसके साथ ही पूरे देश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।घोषित कार्यक्रम के अनुसार पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान 23 और 29 अप्रैल को होगा,जबकि मतगणना 4 मई को होगी। तमिलनाडु में एक ही चरण में 23 अप्रैल को मतदान और 4 मई को परिणाम घोषित होंगे।असम,केरल औरपुडुचेरी में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा और इन राज्यों के परिणाम भी 4 मई को सामने आएंगे। यह चुनाव कार्यक्रम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि सभी राज्यों के नतीजे एक ही दिन घोषित होंगे, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में एक साथ बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।चुनाव आयोग के अनुसार इस बार लगभग 7.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे और लगभग 2.18 लाख मतदान केंद्र बनाए गए हैं। अकेले पश्चिम बंगाल में ही 80 हजार से अधिक मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह आंकड़े भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की विशालता को दर्शाते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि भारत में होने वाले चुनाव केवल राष्ट्रीय घटना नहीं होते बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें भी इन पर टिकी रहती हैं। दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र जब चुनावी प्रक्रिया से गुजरता है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों की शक्ति का प्रतीक बन जाता है। यही कारण है कि इन पांच राज्यों के चुनावों को एक प्रकार से चुनावी महाकुंभ कहा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनावों के नतीजे केवल इन राज्यों की सरकारों को तय नहीं करेंगे बल्कि आने वाले वर्षों में भारत की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा को भी प्रभावित कर सकते हैं। साथियों बात अगर हम क्षेत्रीय दल बनाम राष्ट्रीय दलः सियासी संघर्ष इस विशेष पहलू को समझने की करें तो इन चुनावों का सबसे बड़ा पहलू यह है कि तीनमहत्वपूर्ण राज्यों,पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में लंबे समय से क्षेत्रीय दलों का मजबूत वर्चस्व रहा है।इन राज्यों में राष्ट्रीय स्तर पर सत्तारूढ़ पार्टी अभी तक सत्ता में नहीं आ सकी है। इसके विपरीत असम में बीजेपी सत्ता में है और वह तीसरी बार सत्ता में लौटने कीकोशिश कर रही है, जबकि पुडुचेरी में भी वह दूसरी बार सरकार बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।इस प्रकार यह चुनावक्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों और राष्ट्रीय दलों के बीच शक्ति संतुलन की परीक्षा भी माना जा रहा है। साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की अग्निपरीक्षा को समझने की करें तो,पश्चिम बंगाल का चुनाव इस बार सबसे अधिक चर्चा में है।राज्य की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2011 से लगातार सत्ता में रहने के कारण इस बार उनके सामने सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है।यदि ममता बनर्जी चौथी बार मुख्यमंत्री बनने में सफल होती हैं तो यह भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।दूसरी ओर बीजेपी राज्य में सोनार बांग्ला के नारे के साथ अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी के शीर्ष नेताओं का मानना है कि हिंदुत्व, विकास और भ्रष्टाचार के मुद्दों के आधार पर वह राज्य में मजबूत चुनौती पेश कर सकती है।पश्चिम बंगाल विधानसभा में कुल 294 सीटें हैं। पिछले चुनाव में टीएमसी ने 213

असम	9 अप्रैल, 2026	4 मई, 2026
केरल	9 अप्रैल, 2026	4 मई, 2026
पुडुचेरी	9 अप्रैल, 2026	4 मई, 2026
तमिलनाडु	23 अप्रैल, 2026	4 मई, 2026
पश्चिम बंगाल	23 और 29 अप्रैल, 2026	4 मई, 2026

सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि बीजेपी को 77 सीटें मिली थी।कांग्रेस और वामपंथी दलों का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा था।यही कारण है कि इस बार चुनावी गणित काफी दिलचस्प बन गया है। भाजपा की रणनीति यह है कि कांग्रेस और वाम दलों के कमजोर होने से जो वोट बैंक खाली हुआ है, उसे अपने पक्ष में किया जाए। वहीं टीएमसी अपनी कल्याणकारी योजनाओं और मजबूत संगठन के आधार पर सत्ता बचाने की कोशिश कर रही है। साथियों बात अगर हम असमः सत्ता बरकरार रखने की चुनौती को समझने की करें तो,असम में राजनीतिक समीकरण कुछ अलग हैं। यहां बीजेपी पहले से ही सत्ता में है और तीसरी बार सरकार बनाने के लिए प्रयासरत है।राज्य में कुल 126 विधानसभा सीटें हैं और पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने अपने संगठन को काफी मजबूत किया है। हालांकि विपक्षी दल भी गठबंधन के जरिए चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। असम का चुनाव इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि पूर्वोत्तर भारत में भाजपा की राजनीतिक पकड़ का यह एक बड़ा केंद्र बन चुका है।केरल वैचारिक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र। साथियों बात अगर हम केरल भारतीय राजनीति का एक अनूठा उदाहरण है इसको समझने की करें तो यहाँ सत्ता अक्सर दो बड़े गठबंधनों के बीच बदलती रहती है। राज्य की राजनीति में वामपंथी दलों और कांग्रेस केनेतृत्व वाले गठबंधन का प्रभाव लंबे समय से बना हुआ है। यहां भाजपा अभी तक सत्ता के करीब नहीं पहुंच सकी है। 140 सीटों वाली केरल विधानसभा में इस बार भी मुख्य मुकाबला पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवों के बीच ही देखने को मिल सकता है। हालांकि भाजपा अपने संगठन के विस्तार के माध्यम से यहां धीरे-धीरे अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। साथियों बात कर हम तमिलनाडु त्रिकोणीय मुकाबले कीसंभावना को समझने की करें तो, तमिलनाडु का चुनाव इस बार बेहद रोचक माना जा रहा है। यहां 234 सीटों वाली विधानसभा में मुख्य मुकाबला परंपरागत रूप से द्रविदा मुन्नेत्र कज़हगाम और आल इंडिया अन्ना द्रविदा मुन्नेत्र कज़हगाम के बीच होता रहा है। वर्तमान में स्टालीन के नेतृत्व में डीएमके सत्ता में है और वह अपनी सरकार को बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। लेकिन इस बार राजनीतिक समीकरण इसलिए भी बदल गए हैं क्योंकि प्रसिद्ध अभिनेता विजय ने अपनी पार्टी तमिलेगा वैटरी कज़हगाम बनाकर राजनीति में प्रवेश कर लिया है।अभिनेता विजय की राजनीति और संभावित गठबंधन तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता विजय का प्रवेश चुनावी समीकरणों को काफी हद तक बदल सकता है। उनके प्रशंसकों की संख्या बहुत अधिक है और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि उनका वोट बैंक किसी भी गठबंधन के साथ जाता है तो वह कई सीटों पर परिणाम को प्रभावित कर सकता है। सूत्रों के अनुसार भाजपा विजय की पार्टी को अपने गठबंधन में शामिल करने की कोशिश कर रही है और उन्हें उपमुख्यमंत्री पद सहित कई आकर्षक प्रस्ताव भी दिए जा सकते हैं। यदि यह गठबंधन सफल होता है तो तमिलनाडु की राजनीति में एक सटीक नया अध्याय शुरू हो सकता है। साथियों बात अगर हम पुडुचेरी छोटे राज्य में बड़ी लड़ाई इसको समझने की करें तो 30 सीटों वाली पुडुचेरी विधानसभा का चुनाव भले ही आकार में छोटा हो, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से यह भी महत्वपूर्ण है। यहां राष्ट्रीय दलों और क्षेत्रीय दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है। इस बार भी सत्ता में वापसी के लिए कई दल सक्रिय रणनीति बना रहे हैं। छोटे राज्यों के चुनाव अक्सर बड़ेराजनीतिक संकेत देते हैं और पुडुचेरी का चुनाव भी उसी श्रेणी में रखा जा सकता है। साथियों बात अगर हम मतदाता और लोकतांत्रिक सहभागिता इसको समझने की करें तो,इस चुनाव में लगभग 7.4 करोड़ मतदाता भाग लेंगे,जो भारत की लोकतांत्रिक शक्ति का प्रमाण है। चुनाव आयोग ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान में भाग लें और अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करेंलोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब नागरिक सक्रिय रूप से चुनावी प्रक्रिया में भाग लेते हैं।यही कारण है कि चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाता रहा है इस चुनाव में मतदाता सूची को लेकर भी कुछ विवाद सामने आए हैं। एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत लाखों वोट हटाए जाने की खबरें सामने आई हैं, जिस पर कई राजनीतिक दलों ने चिंता व्यक्त की है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इससे चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं, जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची को पारदर्शी और अद्यतन बनाने के लिए यह प्रक्रिया आवश्यक है। साथियों बात कर हम राजनीतिक रणनीतियां और चुनावी मुद्दे इसको समझने की करें तो हर चुनाव की तरह इस बार भी विभिन्न दल अपने-अपने मुद्दों के साथ मैदान में उतर रहे हैं।कहीं विकास और कल्याणकारी योजनाओं को मुद्दा बनाया जा रहा है तो कहीं पहचान की राजनीति और क्षेत्रीय अस्मिता को।पश्चिम बंगाल में नागरिकता और पहचान से जुड़े मुद्दे चर्चा में हैं, जबकि तमिलनाडु में क्षेत्रीय गौरव और सामाजिक न्याय की राजनीति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। केरल में वैचारिक राजनीति और विकास मॉडल प्रमुख मुद्दे बन सकते हैं, जबकि असम में राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास की राजनीति प्रमुखसटीकविषय बन सकती है। साथियों बात अगर हम चुनाव और राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव को समझने की करें तो इन पांच राज्यों के चुनावी परिणाम केवल राज्य सरकारों को ही निर्धारित नहीं करेंगे बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि राष्ट्रीय दल इन राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल होते हैं तो आने वाले वर्षों में उनकी रणनीति और भी आक्रामक हो सकती है। वहीं यदि क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखते हैं तो यह भारतीय राजनीति में संघीय ढांचे की मजबूती का संकेत होगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि लोकतंत्र की शक्ति और जनता का निर्णय,लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। राजनीतिक दल चाहे कितनी भी रणनीति बनाएं,अंतिम फैसला मतदाता ही करते हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की यही सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां सत्ता का स्रोत जनता है। आने वाले चुनावों में भी यही सिद्धांत लागू होगा।4 मई को जब मतगणना के बाद परिणाम सामने आएंगे, तब यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसे सत्ता सौंपी है। लेकिन इतना तय है कि यह चुनाव केवल पांच राज्यों की सत्ता का संघर्ष नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, विविधता और जीवंतता का एक और भव्य उदाहरण साबित होगा।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

इच्छा मृत्यु ईश्वरीय प्रकिया के खिलाफ

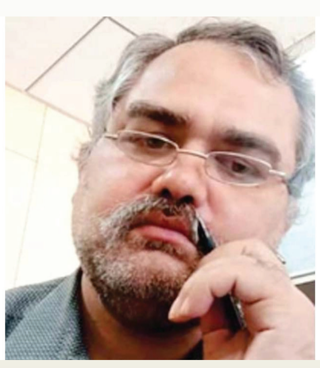

लेखक - संजय गोस्वामी

भारत के इतिहास में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छा मृत्यु की अनुमति दी है. कोर्ट ने 13 साल से ज़्यादा समय से कोमा में 32 साल के हरीश राणा का लाइफ़ सपोर्ट (जीवनरक्षक मशीनें) हटाने की मंज़ूरी दे दी है. जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस मामले पर फ़ैसला सुनाया. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पैसिव यूथेनेशिया पर व्यापक क़ानून बनाने पर विचार करने को भी कहा है. कोर्ट ने एम्स-दिल्ली को यह भी निर्देश दिया है कि लाइफ़ सपोर्ट हटाने के लिए एक ख़ास योजना तैयार की जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पूरी प्रक्रिया के दौरान मरीज़ की गरिमा और सम्मान बना रहे जीवन और मौत संसार की एक प्रक्रिया है। जीवन और मृत्यु में सिर्फ साँसो का फासला है जो 1सेकंड का है जब ब्रेन से हर्ट से ऑक्सीजन सप्लाई बन्द हो जाता है इसलिए कोर्ट इस पर फैसला नहीं दे सकता है क्योंकि ऐ शरीर कोर्ट ने नहीं बनाया है ऐ तो परमात्मा ने बनाया है तब परमात्मा ही उसे ले सकता है जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें हैदेखिए जीवन को मस्ती से जिए और खुश रहें जब आदमी जवान होता है तो उसकी इक्षा पढ़ने के साथ साथ काम की भी होती हैं वही आपके दुःखो का सही कारण है हमने कितने ऐसे लोगों को ट्रेन में भर भर कर मात्र 140-150सीट में बिहार में नौकरी के लिए जाते देखा है पढ़ते देखा है महीनों से जाग जाग कर लाइन में 4 बजे सुबह से दोपहर 2 बजे 12 रूपये के पोस्टल ऑर्डर के लिए मुख्य डाकखाना में 1992-95 के दौर में लाइन में लगते देखा है बिहार में और भी अन्य सटे राज्य में भी सरकारी नौकरी के लिए मारा मारी थी और उप्र में भी यही हाल था मैंने पूछा भाई आप पोस्ट ग्रेजुएशन किए हैं ऐ मैट्रिक के स्टाफ सिलेक्शन में लोअर ग्रेड एग्जाम के लिए क्यों इतना संघर्ष कर रहें हैं उसने कहा 12 रूपये में सरकारी नौकरी मिल जाएगी कम है क्या उस समय नौकरी में 3 हजार से लेकर बहुत मुश्किल से 10000 तक ही मिल पाता था यदि ग्रेड 1 की नौकरी मिले हालांकि हमने अपने लिए नहीं अपने बहन के लिए पोस्टल ऑर्डर ख़रीदा था उस समय माता पिता को भी बच्चे की नौकरी या इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन का प्रबल इक्षा रहती थी और जब किसी को नौकरी मिलती तो उसके सालों की तपस्या का फल होता था उस समय मैं सरकारी नौकरी की बात कर रहा हूँ बिहार में तो जंगलराज था नौकरी क्या कोचिंग में क्लास लेने के लिए किसी नेता से पहचान होना जरुरी था अतः बिहार जो आज है वो नीतीश कुमार के काम के कारण है अब ऐ अलग बात है आज बिहार में चुनाव में मुख्य मंत्री की दौड़ में कौन क्या कर रहा है लेकिन ऐ बात भी मान कर चलिए की नीतीश कुमार सिर्फ बिहार में ही नहीं केंद्र में भी सरकार के लिए एक सपोर्ट का काम कर रहें हैं अब मुख्य मंत्री कौन होगा ऐ तो चुनाव जितने के बाद ही तय होगा लेकिन उनकी मर्जी के खिलाफ होने पर वो पारा भी बदल लेते है और वहाँ एक राजनीती संकट आ जाता है जाने दो कितना दिन और मुख्य मंत्री रहेंगे अगर ठीक काम किया है और ईमानदार है तो इसमें मुख्य मंत्री में नीतीश कुमार की घोषणा करना एनडीए के लिए ही फायदेमंद होगा क्योंकि हाल ही में बिहार के बीजेपी के सांसद रूडीप्रताप सिंह के हाल ही में हुए कांस्टीट्यूशन क्लब में भाजपा बनाम भाजपा मुकाबला समाप्त, राजीव प्रताप रूडी ने सचिव पद पर 102 मतों से जीत दर्ज की।इसमें भी बिहार के एमपी होने के नाते नीतीश कुमार का भी हाथ था जिसे पार्टी समझ नहीं पाई थी इसलिए बिहार में नई सरकार नीतीश कुमार के बिना मुख्य मंत्री बनाने पर पाला बदल लेंगे और नुकसान होगा क्योंकि केंद्र में बहुमत नहीं है

मशीनी सांसें और मानवीय गरिमाः जीवन-मृत्यु के बीच का नैतिक धर्मसंकट

लेखक - दिलीप कुमार पाठक

जीवन की परिभाषा केवल धड़कनों के चलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें चेतना और मानवीय गरिमा का होना अनिवार्य है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरीश राणा के मामले में पैसिव यूथेनेशिया यानि निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की अनुमति देना, कानून के शुष्क पन्नों से निकलकर मानवीय संवेदनाओं के धरातल पर लिया गया एक अत्यंत साहसी और ऐतिहासिक फैसला है। पिछले 13 वर्षों से कोमा में पड़े हरीश का मामला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम विज्ञान के सहारे किसी व्यक्ति को जीवित रख रहे हैं या उसे मरने की अनुमति न देकर उसकी गरिमा का अपमान कर रहे हैं? इस पूरी बहस के केंद्र में माइंड डेड की वह भयावह स्थिति है, जिसे समझना आज के दौर में हर किसी के लिए अनिवार्य हो गया है। चिकित्सा विज्ञान स्पष्ट करता है कि जब मस्तिष्क का वह हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो जाता है जो चेतना और श्वसन को नियंत्रित करता है, तो व्यक्ति केवल एक भौतिक शरीर रह जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज न तो स्पर्श महसूस कर सकता है, न कोई आवाज़ सुन सकता है और न ही किसी प्रकार के दर्द का अनुभव कर सकता है। वह केवल वेंटिलेटर और लाइफ सपोर्ट की मशीनी आवाज़ों के बीच एक कृत्रिम श्वसन प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह जाता है, जिसे जीवन कहना शायद जीवन शब्द का अपमान होगा। संवेदनाओं और वैज्ञानिक सीमाओं का ऐसा ही एक दौर हाल ही में तब देखने को मिला, जब मेरे एक परिचित परिवार में अत्यंत दुखद घटना घटी। एक महिला अपने कमरे में अचानक संतुलन खोकर गिर गईं और बेड के कोने से सिर के पिछले हिस्से में लगी गहरी चोट ने उनके मस्तिष्क को सदा के लिए शांत कर दिया। दो दिनों तक वह अस्पताल में सघन चिकित्सा और भारी-भरकम मशीनों के सहारे सांसें लेती रहीं, लेकिन डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने परीक्षणों के बाद स्पष्ट कर दिया कि वह माइंड डेड हैं। ऐसी घड़ी में परिवार के सामने खड़ा धर्मसंकट किसी पहाड़ जैसा था। एक तरफ अपनों को खोने का असहनीय गम था, तो दूसरी तरफ मशीनों में जकड़ा हुआ वह बेजान शरीर। अंततः, डॉक्टरों की स्पष्ट राय और परिजनों की आपसी सहमति से लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने का वह अत्यंत कठिन और हृदयविदारक निर्णय लिया गया। यह फैसला किसी की जान लेने का प्रयास नहीं था, बल्कि उस महिला को एक यंत्रवत और कष्टकारी जीवन से आज़ाद करने की सर्वोच्च करुणा थी। यह उस आत्मा के प्रति सम्मान था, जिसे प्रकृति ने पहले ही बुला लिया था, पर विज्ञान ने मशीनों की बेड़ियों में बाँध रखा था। सर्वोच्च न्यायालय का यह मानना तर्कसंगत है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु भी जीने के अधिकार का ही एक अनिवार्य विस्तार है। जब चिकित्सा विज्ञान के तमाम प्रयास विफल हो जाएं और सुधार की कोई न्यूनतम गुंजाइश न बचे, तो मशीनों के प्लग के जरिए किसी की धड़कनों को जबरन खींचना उस व्यक्ति की गरिमा के विरुद्ध है। एक बेड पर सालों तक निर्जीव शरीर की सेवा करना न केवल आर्थिक रूप से परिवार को खोखला कर देता है, बल्कि मानसिक रूप से भी घर के बाकी सदस्यों के जीवन को खंडित कर देता है। भारत में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु के लिए बनाए गए कड़े नियम यह सुनिश्चित करते हैं कि इस कानूनी प्रावधान का कभी कोई दुरुपयोग न हो। एक मेडिकल बोर्ड की निगरानी और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद ही ऐसा कदम उठाया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि मरीज अब वापस नहीं लौट सकता। पैसिव यूथेनेशिया का वास्तविक उद्देश्य किसी के जीवन को समय से पूर्व समाप्त करना नहीं है, बल्कि मृत्यु के स्वाभाविक और प्राकृतिक मार्ग में बाधा बनी कृत्रिम दीवारों को हटा देना है।

कोयंबटूर से ऊटी की यादगार यात्रा

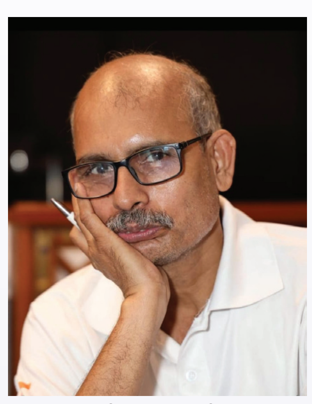

आलेख : - बिनोद कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

दक्षिण भारत की धरती अपने भीतर प्रकृति की ऐसी अनुपम छवियाँ समेटे हुए है,जिन्हें देखकर मन अनायास ही विस्मय और श्रद्धा से भर उठता है।यहाँ के पर्वत, हरियाली,झरने और शांत वातावरण प्रकृति के उस दिव्य रूप का परिचय देते हैं,जो मनुष्य को जीवन की भागदौड़ से कुछ क्षणों के लिए दूर ले जाकर आत्मिक शांति का अनुभव कराते हैं। तमिलनाडु का औद्योगिक नगर कोयंबटूर और उससे लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित पर्वतीय पर्यटन नगरी ऊटी की यात्रा इसी प्राकृतिक वैभव का अद्भुत अनुभव कराती है।यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधारण मार्ग नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय संवाद का ऐसा अवसर है,जो स्मृतियों में लंबे समय तक जीवित रहता है। विगत दिनों हमें दिल्ली की भागदौड़ भरी जीवन-शैली से कुछ समय के लिए अलग दक्षिण भारत की यात्रा का अवसर मिला।मीडिया मित्रों के साथ यह यात्रा किसी सामान्य पर्यटन कार्यक्रम से कहीं अधिक थी। यह मानो प्रकृति की गोद में बिताए गए उन अनमोल क्षणों का अनुभव था,जो जीवन की व्यस्तता के बीच मन को नई ऊर्जा और शांति प्रदान करते हैं।कोयंबटूर से ऊटी की ओर बढ़ते ही धरती का स्वरूप धीरे-धीरे बदलने लगता है।मैदानी इलाकों की गर्म हवा शीतल पर्वतीय बयार में परिवर्तित हो जाती है।सीधी और सपाट सड़कों की जगह घुमावदार घाटियाँ दिखाई देने लगती हैं और शहरी कोलाहल की जगह चारों ओर फैली हरियाली यात्रियों का स्वागत करती प्रतीत होती है। यह मार्ग नीलगिरि पर्वतमाला की गोद से होकर गुजरता है। 'नीलगिरि' का अर्थ ही है- नीले पर्वत।दूर से देखने पर इन पहाड़ों की हरियाली और नीले आकाश का अद्भुत संगम इन्हें एक विशिष्ट सौंदर्य प्रदान करता है।जैसे-जैसे हमारी कारों का काफिला ऊँचाई की ओर बढ़ रहा था,सड़कें सर्प की भाँति घुमावदार होती जा रही थीं।कुछ दूरी पर तीखे मोड़ आते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'हेयरपिन बेंड' कहा जाता है।इन मोड़ों से नीचे झांकती घाटियाँ और दूर तक फैले पर्वत यात्रियों के मन में रोमांच भर देते हैं। कभी बादलों की हल्की परतें घाटियों में तैरती दिखाई देती हैं तो कभी सूर्य की किरणें पर्वतों की ढलानों को सुनहरी आभा से भर देती हैं। रास्ते भर फैले चाय के बागान इस यात्रा को और भी मनोहारी बना देते हैं।पर्वतों की ढलानों पर कतारों में सजे चाय के पौधे मानो किसी कलाकार की सजीव चित्रकला प्रतीत होते हैं।दूर-दूर तक फैली हरियाली और उसके बीच काम करती महिला मजदूरों की छवियाँ इस दृश्य को और भी जीवंत बना देती हैं। सिर पर टोकरी, हाथों में चाय की कोमल पत्तियाँ और चेहरे पर श्रम की सहज मुस्कान-यह सब मिलकर प्रकृति और श्रम के सुंदर समन्वय का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।यह क्षेत्र भारत के प्रमुख चाय उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है और नीलगिरि की चाय विश्व भर में अपनी सुगंध और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है।हमारी इस यात्रा का सबसे स्मरणीय और रोमांचक अनुभव तब मिला जब मीडिया मित्रों के साथ प्रसिद्ध नीलगिरि माउंटेन रेलवे की टॉय ट्रेन में बैठने का अवसर प्राप्त हुआ।यह छोटी- सी पर्वतीय रेलगाड़ी मानो प्रकृति की गोद में धीरे-धीरे सरकती हुई आगे बढ़ती है। पटरियों के दोनों ओर फैली हरियाली, छोटी-छोटी सुरंगें,गहरी घाटियाँ और दूर तक फैले चाय के बागान—इन सबके बीच यह रेल यात्रा किसी चलचित्र की तरह आँखों के सामने खुलती चली जाती है।जब ट्रेन किसी मोड़ से गुजरती है तो पूरी रेलगाड़ी का दृश्य सामने दिखाई देने लगता है।ऐसा लगता है मानो पहाड़ों की गोद में कोई रंगीन रेखा धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हो। कभी ट्रेन सुरंग में प्रवेश करती है तो कुछ क्षणों के लिए अंधकार छा जाता है।जैसे ही बाहर निकलती है,सामने हरियाली से भरा दृश्य यात्रियों का स्वागत करता है। टॉय ट्रेन की इस यात्रा को और भी रोचक बना दिया हमारे मीडिया साथियों ने। किसी ने गीत की पंक्ति छेड़ी तो किसी ने उसे आगे बढ़ाया और देखते ही देखते पूरे डिब्बे में अंताक्षरी का दौर शुरू हो गया। पहाड़ों के बीच गीतों की मधुर धुन गूंजने लगी। प्रकृति की शांति और मित्रों की हँसी-ठिठोली के बीच यह यात्रा सचमुच अविस्मरणीय बन गई।इस यात्रा में वरिष्ठ पत्रकार सुजीत ठाकुर के साथ मीडिया जगत की सक्रिय सहयोगीलाइगा आशिफ,(समुह संपादिका) शिवानी शर्मा, भावना गुप्ता,सपना,आकाश त्रिवेदी,अभिषेक,समीर,सुरेन्द्र पंडित और रिपुंज तिवारी सहित अनेक मीडिया मित्र उपस्थित थे।रास्ते भर संवाद, हास्य परिहास और गीतों का यह वातावरण यात्रा को और भी जीवंत बना रहा था।विशेष वरिष्ट मीडिया मित्र सुजीत ठाकुर व रिपुंज तिवारी ने ऐसा समा बंधा कि हम सुर- संगीत की महफिल में पहुंचे हो।इस अवसर पर आयोजन से जुड़े कुछ सरकारी अधिकारी तथा अन्य आमंत्रित अधिकारी जो अतिथि भी हमारे साथ थे,जिनकी उपस्थिति ने इस यात्रा को एक सामूहिक अनुभव का रूप दे दिया।रास्ते में पहाड़ों से उतरते छोटे-छोटे झरने यात्रियों का स्वागत करते दिखाई देते हैं।कहीं चट्टानों के बीच से पतली जलधारा गिरती है तो कहीं हरियाली के बीच से फूटते झरने मधुर संगीत की तरह सुनाई देते हैं।प्रकृति का यह स्वाभाविक संगीत मन को एक अनूठी शांति प्रदान करता है।बरसात के मौसम में इन झरनों की संख्या और भी बढ़ जाती है और पूरा क्षेत्र जलधारा और हरियाली का उत्सव बन जाता है।संध्या होते-होते हम ऊटी पहुँचे और वहीं रात्रि विश्राम का अवसर मिला। पहाड़ों की ठंडी हवा,चारों ओर फैली शांति और दूर-दूर तक पसरी हरियाली ने वातावरण को अत्यंत सुकूनभरा बना दिया।शहर की भागदौड़ से दूर यह शांत रात्रि मानो प्रकृति की गोद में विश्राम करने जैसा अनुभव दे रही थी। अगली सुबह का दृश्य तो और भी अद्भुत था।प्रातःकाल जब भुवन- भास्कर सूर्यदेव की पहली किरणें पर्वतों की चोटियों पर पड़ीं, तो वह दृश्य सचमुच दिव्य और अलौकिक प्रतीत हुआ।पहाड़ों के पीछे से धीरे-धीरे उगता सूर्य,धुंध की हल्की परतों के बीच फैलती सुनहरी रोशनी और उस प्रकाश में चमकती हरियाली - यह दृश्य मन को एक आध्यात्मिक शांति से भर देता है।ऐसा लगता है मानो स्वयं प्रकृति ने अपने आंचल से दिन का स्वागत किया हो।ऊटी का प्राकृतिक सौंदर्य वास्तव में अद्वितीय है।यहाँ की झीलें,उद्यान और पर्वतीय दृश्य पर्यटकों को बार-बार अपनी ओर आकर्षित करते हैं।ऊटी झील के शांत जल में तैरती नौकाएँ और उसके चारों ओर फैली हरियाली मन को एक अनोखी शांति का अनुभव कराती है। वहीं प्रसिद्ध सरकारी बोटैनिकल गार्डन दुर्लभ पौधों और रंग-बिरंगे फूलों की अद्भुत दुनिया प्रस्तुत करता है। नीलगिरि पर्वतमाला जैव विविधता की दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध क्षेत्र है। यहाँ के घने जंगलों में अनेक प्रकार के वन्यजीव और पक्षी पाए जाते हैं।कभी-कभी रास्ते में बंदरों के समूह यात्रियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं,जबकि जंगलों की गहराइयों में हाथी, हिरण और अन्य वन्यजीव भी निवास करते हैं।कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय कराती है।रास्ते में स्थानीय जनजातीय समुदायों की झलक भी देखने को मिलती है,जिनकी जीवन शैली प्रकृति के साथ गहराई से जुड़ी हुई है।उनके पारंपरिक घर, पहनावा और जीवन-दृष्टि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध बनाते हैं।दरअसल,कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा हमें प्रकृति के उस सौंदर्य से रूबरू कराती है,जिसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना संभव नहीं।घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए जब पहाड़ों की ठंडी हवा चेहरे को छूती है,जब चाय के बागानों की हरियाली आँखों को सुकून देती है और जब झरनों की कल-कल ध्वनि कानों में मधुर संगीत की तरह गूंजती है,तब लगता है कि मानव और प्रकृति के बीच का यह संबंध कितना गहरा और आत्मीय है। अंततः कहा जा सकता है कि कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा केवल पर्यटन नहीं,बल्कि प्रकृति के साथ एक आत्मिक अनुभव है। नीलगिरि की हरियाली,पहाड़ों की घुमावदार राहें,हरे चाय बगानों की सुगंध,झरनों का मधुर संगीत,टॉय ट्रेन की धीमी यात्रा और मीडिया मित्रों के साथ बीते हुए जमाने के मधुर गीतों की अंताक्षरी-ये सब मिलकर इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दी।इस सुःखद यात्रा में शामिल मेरे साथी पत्रकार सहकर्मियों सुश्री लायका आसिफ दैनिक समाचार पत्र "इन दिनों " की संपादिका है।उनका कहना है कि हम सभी ऊटी की यादगार यात्रा वाकई अविस्मरणीय रही।हमने दक्षिण रेलवे की रेल संचालन प्रणाली,खासकर प्रसिद्ध नीलगिरि माउंटेन रेलवे यानी टॉय ट्रेन के बारे में गहराई से समझने में शानदार समय बिताया।पुरानी शैली की खूबसूरत बोगियों में सवार होकर हमने धीमी-धीमी चढ़ाई वाली इस यात्रा का आनंद लिया।चारों ओर फैली हरी-भरी चाय के बागान,घने जंगल,गहरी खाइयाँ,कोहरे से ढके पहाड़ और मनमोहक प्राकृतिक दृश्य हमें मंत्रमुग्ध करते रहे।हर मोड़ पर पहाड़ की गोद में नई हरियाली और शांत वादियाँ दिल को सुकून दे रही थीं।वही दूसरी ओर टाय ट्रेन की लयबद्ध आवाज़ और ठंडी पहाड़ी हवा के बीच हमने अपने सहकर्मियों मीडिया मित्र मण्डली व रेलवे अधिकारियों के साथ जीवंत चर्चाएँ कीं- हमारी यह यात्रा राजनीति व सम सामायिक घटना व हर पहलुओ पर खुलकर बात हुई। हमारे लिए यह जानकारी, प्राकृतिक सौंदर्य और दोस्ताना माहौल का यह शानदार मिश्रण ऊटी की इस यात्रा को हमेशा याद रखने लायक बना गया। मै स्पष्ट कर दूँ कि जो भी यात्री एक बार इस मार्ग से होकर ऊटी पहुँचता है,उनके मन मस्तिक में यात्रा की स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं।ऐसा लगता है,मानो प्रकृति ने स्वयं अपनी गोद में बैठाकर उसे कुछ स्वर्णिम और अनमोल क्षण उपहार में दे दिए हों।

पूजा गहलोत की कुश्ती के खिलाफ थे पिता, हालात से लड़कर बनाई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने से पहले कई लड़ाइयां लड़नी पड़ती हैं। भारत की होनहार महिला पहलवान पूजा गहलोत ने अखाड़े में उतरने से पहले कई ऐसी ही जंग लड़ी। आर्थिक तंगी के साथ-साथ पूजा के पिता उन्हें कुश्ती खेलते हुए नहीं देखना चाहते थे। हालांकि, पूजा के बुलंद हौसलों के आगे एक दिन पिता को भी झुकना पड़ा। पूजा गहलोत का जन्म दिल्ली के लांपुर गांव में हुआ। बचपन से ही पूजा को खेलों में खास रुचि थी। कुश्ती का खेल पूजा के दिल के थोड़ा ज्यादा करीब था। हालांकि, उस दौर में लड़कियों का कुश्ती खेलना सामान्य बात नहीं माना जाता था। खुद पूजा के पिता नहीं चाहते थे कि वह इस खेल में करियर बनाएं। पूजा की प्रतिभा को चाचा धर्मवीर सिंह ने पहचाना, और वह ही उनको महज 6 साल की उम्र में अखाड़े लेकर गए। पिता की सख्ती के चलते पूजा ने पहले वॉलीबॉल खेलना शुरू किया लेकिन बाद में वह कुश्ती के खेल में रम गईं। चाचा धर्मवीर ने पूजा को कुश्ती की बारीकियां सिखाईं और इसके बाद पूजा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूजा ने 2017 में एशियन जूनियर चैंपियनशिप में लाजवाब प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक जीता। पूजा गहलोत पहली बार साल 2019 में सुर्खियों में आईं। उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक को अपने नाम किया। इस चैंपियनशिप से पहले कंधे की चोट के कारण पूजा को दो साल तक कुश्ती से दूर रहना पड़ा था। हालांकि, पूजा ने जबरदस्त वापसी करते हुए हर किसी को दिखाया कि वह इस खेल के लिए ही बनी हुई हैं। साल 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में पूजा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

इंग्लैंड ने फाइनल में भारत को 2-0 से हराया

हैदराबाद, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में दूसरे स्थान पर रही। शनिवार को हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी हॉकी ग्राउंड में हुए फाइनल मुकाबले में टीम को इंग्लैंड के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड की ओर से ग्रेस बाल्सडन (13वें मिनट) और एलिजाबेथ नील (43वें मिनट) ने गोल किए। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। नवनीत कौर ने शुरुआती दो मिनट के अंदर ही अपनी टीम के लिए एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, इस सेट पीस से उन्होंने जो ड्रैग फ्लिक लगाई, उसे इंग्लैंड की गोलकीपर ने रोक दिया। मेजबान टीम ने जबरदस्त अनुशासन दिखाया। उन्होंने अपने डिफेंस को मजबूत बनाए रखा और साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें जारी रखीं। हालांकि, पहले क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड ने मैच में अपनी पकड़ मज़बूत कर ली और दो मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। ग्रेस बाल्सडन (13वें मिनट) ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया।

गंभीर ने बताई दोनों भारतीय ओपनरर्स को प्लेइंग-11 में लेने की वजह

अभिषेक पर हमेशा भरोसा रहा पावरप्ले में मैच छीन लेते हैं संजू

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बताया है कि लगातार रन बनाने के लिए जूझ रहे अभिषेक शर्मा पर किस तरह भरोसा कायम रहा। वहीं, कोच ने संजू सैमसन को प्लेइंग–11 में शामिल करने की वजह का खुलासा भी किया। अभिषेक टूर्नामेंट के पहले तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन उन्होंने इसके बाद दो अर्धशतक लगाए जिनमें फाइनल में लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है। अभिषेक की खराब फॉर्म को देखकर यह चर्चा भी उठने लगी थी कि क्या इस सलामी बल्लेबाज को प्लेइंग–11 से बाहर बैठाया जाएगा? लेकिन टीम प्रबंधन ने अभिषेक पर भरोसा कायम रखा और फाइनल में उन्होंने अपना दिखाया जिससे टीम न्यूजीलैंड को हराकर खिताब बरकरार रखने में सफल रही। गंभीर ने अभिषेक का समर्थन करने पर कहा, आईपीएल 2014 में मेरा अनुभव उससे भी बदतर रहा था जब मैं लगातार चार मैचों में शून्य पर आउट हुआ। मैंने उससे बस इतना कहा था कि लोग आपके स्कोर देखेंगे और आपकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे, लेकिन असल में आप खराब फॉर्म नहीं हो, बस रन नहीं बना पा रहे हैं। आपकी फॉर्म का सही आकलन तभी हो सकता है जब आप 20 से 30 गेंदें खेल चुके हों और उसने अभी तक 20 गेंदें भी नहीं खेली हैं। मैं बस यही चाहता था कि वह हर अगले मैच में पिछले मैच की तुलना में अधिक आक्रामक होकर खेले। अभिषेक को लेकर कोई संदेह नहीं था। सच कहूं तो हम सभी को टी20 विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी पर पूरा भरोसा था।गंभीर ने सैमसन की भी जमकर तारीफ की। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंतिम चरण में सैमसन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में तूफानी अंदाज में अर्धशतक जड़कर भारत को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने में मदद की। गंभीर ने कहा कि जब संजू सैमसन अपनी फॉर्म में होते हैं तो वह पावरप्ले में ही विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं। गंभीर ने कहा, हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है। उसकी प्रतिभा और विस्फोटक बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था।

जय शाह ने पाकिस्तान-बांग्लादेश ड्रामे पर तोड़ी चुप्पी, दोनों टीमों को दिखाया आईना

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने टी20 विश्व कप 2026 से पहले हुए विवाद पर पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। शाह ने कहा है कि कोई भी देश या टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। आईसीसी सभी सदस्य टीमों के सामूहिक प्रयास से चलता है। एक अवॉर्ड समारोह में जय शाह ने कहा, 'विश्व कप से पहले काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ टीमें हिस्सा लेंगी या नहीं। आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। कोई एक टीम मिलकर संगठन नहीं बनाती, बल्कि सभी टीमों के साथ मिलकर ही संगठन चलता है।' जय शाह ने बताया कि इस विश्व कप ने दर्शकों के मामले में इतिहास रच दिया। कुल व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। एसोसिएट टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। यूएसए ने भारत को, नीदरलैंड ने पाकिस्तान को और नेपाल ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। जिम्बाब्वे जैसी छोटी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया।

आईसीसी अध्यक्ष ने भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भविष्य के लिए लगातार मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि टीम को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक सहित आने वाले बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी करनी चाहिए। विश्व कप से पहले विवाद तब शुरू हुआ था, जब बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत आने से इनकार कर दिया था। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया था। पाकिस्तान ने इसके बाद बांग्लादेश के समर्थन में विश्व कप के बहिष्कार की धमकी दी थी। पाकिस्तान का कहना था कि आईसीसी बांग्लादेश के साथ गलत व्यवहार कर रही है। पाकिस्तान ने पहले पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की बात कही, फिर भारत के साथ ग्रुप स्टेज का मुकाबला न खेलने की बात कही। आईसीसी की मध्यस्थता और बांग्लादेश पर किसी तरह का बैन न लगाए जाने के वादे के बाद पाकिस्तान ने यू-टर्न ले लिया और भारत के खिलाफ मैच खेला। पाकिस्तान सुपर-8 से आगे नहीं बढ़ सकी, जबकि भारतीय टीम ने लगातार दूसरा टी20 विश्व कप जीता।

व्यापार

उद्योगों को बड़ी राहत: सरकार ने बदले कैप्टिव पावर जनरेशन के नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के ऊर्जा क्षेत्र और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा नीतिगत कदम उठाया है। इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 को अधिसूचित करते हुए ऊर्जा मंत्रालय ने कैप्टिव पावर जनरेशन के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य उद्योगों के लिए नियामक अस्पष्टता को खत्म करना और भारत के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को हासिल करना है।

नए नियमों के तहत कैप्टिव पावर प्लांट्स के स्वामित्व की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है। अब इसमें उस इकाई की सहायक कंपनियों, होल्डिंग कंपनियों और होल्डिंग कंपनी की अन्य सहायक कंपनियों को भी शामिल किया गया है, जो कैप्टिव जनरेटिंग प्लांट स्थापित करती हैं। यह स्पष्टीकरण आधुनिक कॉर्पोरेट संरचनाओं को मान्यता देता है, जहां बिजली संपत्तियों को अक्सर समूह संस्थाओं या स्पेशल पर्पस व्हीकल के माध्यम से विकसित किया जाता है। इस नीतिगत बदलाव से यह सुनिश्चित होगा कि कॉरपोरेट समूहों के वैध कैप्टिव निवेश को केवल उनकी संगठनात्मक संरचना के कारण कैप्टिव दर्जे से वंचित न किया जाए। इसके अलावा, नियमों के अनुपालन को आसान बनाने के लिए कई प्रावधानों को सरल किया गया है। कैप्टिव पावर जेनरेशन का मतलब है किसी उद्योग या व्यावसायिक प्रतिष्ठान द्वारा अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वयं का बिजली संयंत्र स्थापित करना। यह बिजली ग्रिड से खरीदने के बजाय, साइट पर ही (कोयला, गैस, या नवीकरणीय ऊर्जा से) पैदा की जाती है, जो निरंतर और सस्ती बिजली सुनिश्चित करती है। उद्योगों के लिए अनुपालन और वित्तीय मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण नियम तय किए गए हैं एक नया प्रावधान जोड़ा गया है जिससे कैप्टिव स्थिति के सत्यापन के दौरान डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसधारियों द्वारा उपभोक्ताओं पर शुल्क लगाने से बचा जा सकेगा।

दिल्ली की सबसे ऊंची रिहायशी बिल्डिंग में रहेंगे सरकारी कर्मचारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण कड़कड़डूमा में अपना पहला ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट बना रही है। 48 मंजिला इस प्रोजेक्ट में अब सरकारी विभागों और पीएसयू को भी फ्लैट ऑफर किए जा रहे हैं। दिल्ली सरकार के लॉ डिपार्टमेंट ने 107 फ्लैट खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी जबकि हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने भी 10 यूनिट खरीदने की इच्छा जताई है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक डीडीए के एक सीनियर अधिकारी ने यह जानकारी दी।कहा कि कड़कड़डूमा प्रोजेक्ट में फ्लैट खरीदने में दिलचस्पी रखने वाले सरकारी विभागों और पीएसयू को प्रिंसिपल कमिनश्नर (हाउसिंग) को अप्रोच करना चाहिए। 12 फरवरी के फैसले के मुताबिक पार्किंग कॉस्ट को डिस्पोजल प्राइस से हटा दिया गया है। इस कवायद का मकसद अलॉटमेंट की प्रक्रिया को तेज करना है। अधिकारियों का कहना है कि जो विभाग फ्लैट खरीदना चाहते हैं, उन्हें कम से कम 10 फ्लैट बुक करने होंगे और इसके लिए कुल डिस्पोजल प्राइस का 10 फीसदी डिपॉजिट करना होगा। डीडीए ने टावरिंग हाइट्स हाउसिंग स्कीम, 2026 के तहत 393 फ्लैट्स ऑफर किए हैं। इससे पहले दिसंबर में प्राधिकरण ने इसी प्रोजेक्ट में दो

बेडरूम वाले 1026 फ्लैट ई-ऑक्शन के लिए रखे थे लेकिन इनमें से केवल 178 फ्लैट ही बिक पाए। जानकारों का कहना है कि इस स्कीम में आम लोगों का ज्यादा दिलचस्पी नहीं है क्योंकि इसमें फ्लैट्स का बेस रिजर्व प्राइस बहुत ज्यादा है। एरिया के हिसाब से यह 1.8 करोड़ रुपये से लेकर 3.1 करोड़ रुपये तक है।

अनबिकी यूनिट्स को फिर फर्स्ट-कम, फर्स्ट सर्व कैटगरी में डाला गया। इसके तहत अब तक केवल 41 फ्लैट ही बिक पाए हैं। इसे आकर्षक बनाने के लिए डीडीए ने पार्किंग चार्ज हटा दिया है। इससे इनकी कीमत 5 लाख रुपये से 12 लाख रुपये तक कम हो गई है। यह प्रोजेक्ट कड़कड़डूमा कोर्ट और आनंद विहार रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित है। 155 मीटर ऊंचा यह टावर दिल्ली का सबसे ऊंचा रिहायशी बिल्डिंग है।

पिता ने सड़क किनारे से शुरू किया काम, बेटों ने ऐसा दौड़ाया कि अब हर दिन 27 लाख रुपये की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के सोनीपत जिले में मुरथल काफी जानी-पहचानी जगह है। अमरीक सुखदेव ढाबा ने इस जगह की पहचान बनाने में खास भूमिका निभाई है। बिना किसी विज्ञापन के यह ढाबा 100 करोड़ रुपये का साम्राज्य बन चुका है। इसके मालिक हैं अमरीक सिंह और सुखदेव सिंह। 1956 में सड़क किनारे एक छोटे से तंबू में अमरीक और सुखदेव के पिता सरदार प्रकाश सिंह ने इसकी नींव रखी थी। 1990 के दशक में उनके बेटों अमरीक और सुखदेव के बागडोर संभालने के बाद इस ढाबे ने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। 'मुरथल के पराठे' अमरीक सुखदेव का पर्याय बन गए। दिल्ली-एनसीआर समेत दूर-दूर से लोग यहां खाने के लिए

पहुंचते हैं। इसकी हर दिन की कमाई 27 लाख रुपये है। आइए, यहां अमरीक और सुखदेव की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। सरदार प्रकाश सिंह ने अपने बेटों अमरीक और सुखदेव के नाम पर 1956 में ढाबा शुरू किया था। अपनी शुरुआत में यह मुख्य रूप से ट्रक ड्राइवरों के लिए खुला था। हालांकि, धीरे-धीरे अपने स्वाद, खासकर सफेद मक्खन के साथ मिलने वाले तंदूरी पराठों की वजह से यह खासा मशहूर हो गया। इतना मशहूर कि दिल्ली-चंडीगढ़ रूट पर चलने वाले परिवारों और पर्यटकों की यह पहली पसंद बन गया। 1990 के दशक में सरदार प्रकाश सिंह के बेटों अमरीक और सुखदेव ने इस ढाबे की बागडोर संभाली। इसके बाद इसे बंपर लोकप्रियता मिली। उन्होंने इस साधारण सी जगह को मॉडर्न फूड स्टॉप में बदल दिया। आज की तारीख में वहां कई ब्लॉक हैं। 150 से ज्यादा टेबलें हैं। सर्विस बेहद तेज है और खाने की क्वालिटी बेजोड़ है। तभी तो कभी ट्रक ड्राइवरों के लिए सड़क किनारे खुला ढाबा आज अमरीक सुखदेव रेस्टोरेंट बन चुका है। इस ढाबे में आप किसी भी समय चले जाइए। वहां कम से कम 600 लोग 150 से ज्यादा टेबलों पर बैठकर खाना खा रहे होते हैं। अगर हर टेबल पर ग्राहक के रुकने का समय (टर्नअराउंड टाइम) लगभग 45 मिनट मान लिया जाए और दिन में 15 बार टेबल खाली होकर भरी जाती हैं तो यह ढाबा हर दिन लगभग 9,000 लोगों को खाना खिलाता है। वहां, हर ग्राहक औसतन 300 रुपये से ज्यादा खर्च करता है। इसका मतलब है कि किसी भी एक दिन में 27 लाख रुपये की कमाई होती है। इस हिसाब से महीने की कमाई लगभग 8 करोड़ रुपये बैठती है और सालाना कमाई आसानी से 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाती है।

युद्ध के बावजूद नहीं बढ़ रहे हैं सोने का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। युद्ध के बावजूद भी सोने की कीमतों में कोई बहुत हलचल नहीं देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दिनों के दौरान गोल्ड की कीमतों में गिरावट ही आई है। आखिर शेयर बाजार और सोना दोनों गिरावट क्यों देखा जा रहा है युद्ध के बावजूद भी सोने की कीमतों में कोई बहुत हलचल नहीं देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दिनों के दौरान गोल्ड की कीमतों में गिरावट ही आई है। आखिर शेयर बाजार और सोना दोनों गिरावट क्यों देखा जा रहा है क्या युद्ध का कोई असर सोने की कीमतों पर नहीं पड़ रहा। आइए समझते हैं... कल शुक्रवार की शाम को सर्राफा बाजार में गोल्ड का रेट 158399 रुपये प्रति 10 ग्राम था। ईरान-अमेरिका के बीच 28 फरवरी को युध्द शुरू हुआ था। उससे पहले 27 फरवरी को गोल्ड का रेट 159097 रुपये था। यानी इस दौरान मामूली तेजी देखने को ही मिली है। जब से युध्द शुरू हुआ

है तब से सोना एक रेंज में भी ट्रेड कर रहा है। इंटरनेशनल मार्केट में 300 डॉलर प्रति आउंस के रेंज में कारोबार कर रहा है। वहीं, एमसीएक्स फ्यचूर में यह 10,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेंज में ट्रेड कर रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने जाने की वजह से क्रूड ऑयल की कीमतों में तूफानी तेजी देखने को मिली है। क्रूड ऑयल का रेट 60 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। जिसकी वजह से दुनिया भर में महंगाई बढ़ने का खतरा मंडराने लगा है। इसके अलावा दुनिया भर के निवेश इस समय सुरक्षित निवेश के तौर पर 'डॉलर' की तरफ रुख कर रहे हैं। बीते कुछ हफ्तों में डॉलर मजबूत भी हुआ है। यही वजह है कि गोल्ड की कीमतों में कोई खात तेजी देखने को नहीं मिल रही है। गोल्ड का रेट कहां तक जाएगा यह बहुत हद तक सेंटीमेंट और परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार बिकवाली अगर देखने को मिलती है तब की स्थिति में 5 से 20 प्रतिशत सस्ता हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)